दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। शनिवार 09 मार्च -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 150 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर राष्ट्रपति मुर्मू ने वायुसेना की चार यूनिट को किया सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर पहुंच चुकी हैं। यहां एयरफोर्स के जवानों ने उन्हें परेड कर सलामी दी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति का आगमन एयरफोर्स स्टेशन पर हुआ है।

गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस में हुआ आयोजन

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एयरफोर्स की चार यूनिटों को सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति एयरफोर्स के चार यूनिटों को सर्वोच्च सैन्य सम्मान से सम्मानित किया है। इन्हें राष्ट्रपति मानक और रंग से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 25 वर्षों में सराहनीय सेवाओं के लिए दिया जाता है। जिन चार यूनिटों को सम्मान दिया जाता है।

उसमें 45 स्क्वार्डन, 221 स्क्वार्डन, 11 बेस रिपेयर डिपो और 509 सिग्नल यूनिट शामिल हैं। चारों यूनिट की ओर से ग्रुप कैप्टन एम सुरेंद्रन, ग्रुप कैप्टन शुभांकन, एयर आफिसर कमांडिंग आशुतोष वैद्य और कमांडिंग आफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक शर्मा उपस्थित रहे।

वायनाड से राहुल लड़ेंगे चुनाव, कांग्रेस ने जारी की 39 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची में 39 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया। सूची के मुताबिक, वायनाड से राहुल गांधी, राजनंदगांव से भूपेश बघेल, दुर्ग से राजेंद्र साहू, रायपुर से विकास उपाध्याय चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की छह, कर्नाटक की सात, केरल की 16, तेलंगाना की चार, मेघालय की दो, लक्षद्वीप, सिक्किम, नगालैंड और त्रिपुरा की एक-एक सीट पर प्रत्याशियों के नामों का एलान किया। बता दें कि तिरुवनंतपुरम से शशि थरूर, मेघालय से विंसेंट पाला और त्रिपुरा वेस्ट से आशीष साहा का नाम सामने आया। इसी बीच, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस सीईसी की अगली बैठक 11 मार्च को होगी। पहली सूची 7 मार्च को हुई बैठक के बाद जारी की गई।

महाशिवरात्रि पर गाजियाबाद के मंदिरों में किया लाखों शिवभक्तों ने जलाभिषेक, दिनभर गूंजी बम भोले की गूंज

दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर में प्रशासनिक अधिकारियों, नेताओं और जनसैलाब ने किया पूजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शुक्रवार को भगवान शिव शंकर के विवाह के पर्व अवसर पर महाशिवरात्रि को लेकर गाजियाबाद के सभी शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ देखी गई। गाजियाबाद के प्राचीन दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर में गुरुवार की रात 12 बजे से ही जलाभिषेक शुरू हो गया था, जो शुक्रवार देर रात तक जारी रहा। इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। भगवान शिव शंकर की शिवलिंग पर दूध, दही, घी, गंगाजल, तेल, धतूरा, भांग, बेलपत्र, पुष्प, शहद और प्रसाद अर्पित किया गया। साथ ही महिलाओं और शिव भक्तों की मंदिर परिसर में प्रवेश को लेकर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से पुलिस के आलाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी यहां का निरीक्षण भी किया। दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी ने जानकारी दी है कि महाशिवरात्रि पर लाखों की संख्या अ में शिवभक्तों ने जलाभिषेक करते हुए भगवान शिव की पूजा अर्चना व जलाभिषेक किया।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

करंट क्राइम। दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के चलते लाखों की संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। इस दौरान एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी घंटों तो यहां सुरक्षा इंतजाम के चलते मौजूद रहे। वहीं डीसीपी सिटी कुंवर ज्ञानंजय सिंह, एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद, एसीपी नंदग्राम रवि सिंह, एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी सिटी रविंदर वर्मा, एसीपी क्राइम रितेश त्रिपाठी सहित विजयनगर थाना पुलिस और घंटाघर कोतवाली के साथ ही सादे वस्त्रों में पुलिसकर्मियों और सिविल डिफेंस के साथ ही डीवीएफ के पदाधिकारियों को भी ड्यूटी पर लगाया गया था।

महिलाओं के लिए लगी अलग से कतार

शिवरात्रि के अवसर पर दूधेश्वरनाथ मंदिर पर भीड़ हो जाती है। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए इस बार महिलाओं की पंक्ति अलग-अलग लगाई गई थी और महिलाओं को दर्शन भी रोक कर कराए जा रहे थे ताकि पुरुष प्रवेश न कर पाएं। इस दौरान भीड़ बढ़ने पर कई बार प्रवेश लाइन रोकी भी गई। हालांकि बिना किसी बाधा के देर रात तक भगवान भोलेनाथ के भक्तों का जलाभिषेक और दर्शन करने का सिलसिला जारी रहा।

नेताओं की भी लगी रही भीड़

भगवान की पूजा पर भी आगामी लोकसभा चुनाव का रंग चढ़ता देखा गया। हांलाकि आस्था यहां पर भी भारी बताई जा रही थी। दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर नेताओं की भी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, पूर्व मंत्री रहे रामकिशोर अग्रवाल, पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी, पूर्व महापौर अशु वर्मा के साथ ही डासना देवी मंदिर के महंत यातिनरसिंघानंद सरस्वती, डा. उदिता त्यागी मंदिर के प्रमुख धर्मपाल गर्ग सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के चेहरों ने भी यहां पूजा-अर्चना करते हुए भगवान भोलेनाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

हर साल बढ़ रही है शिव भक्तों की भीड़ : महंत नारायण गिरी

दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी का कहना है कि दूधेश्वरनाथ मंदिर पर लगातार हर साल भीड़ रही बढ़ रही है। महाशिवरात्रि पर इस बार भी बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया है। इस दौरान पुलिस-प्रशासन, राजनीतिक, मीडिया और शहर के गणमान्य लोगों ने भी भगवान बोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

शहर के प्रमुख मंदिरों में भी रही रौनक

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर के प्रमुख दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर से लेकर अलग-अलग सोसायटी और इलाकों के मंदिरों में भी भगवान भोलेनाथ के दरबार में सजावट और रौनक देखने को मिली। इस दौरान कवि नगर के स्वयं भूमंदिर में सुबह से ही लोग जलाभिषेक करने पहुंच गए थे। तो वहीं गोविंदपुरम, कवि नगर, राजनगर, नेहरू नगर के साथ ही मोहन नगर स्थित प्राचीन मंदिर, इंदिरापुरम, कौशांबी, साहिबाबाद, शालीमार गार्डन, राजेंद्र नगर सहित प्रमुख शिव मंदिरों पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

तैयार हो गया है हर विधानसभा के लिए उड़नदस्ता, वीडियो सर्विलांस टीम करेगी सबूतों की पड़ताल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण संपन्न कराने और बिना किसी रुकावट के कराने के लिए प्रशासन की ओर से आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को बहुत जोर शोर से शुरू कर दी गई हैं। इसी के साथ प्रत्येक विधानसभा वार फ्लाइंग स्क्वायड टीम यानी एफएसटी का गठन किया गया है। बताया गया है कि प्रत्येक उड़न दस्ते में लगभग एक प्रशासनिक अधिकारी और एक उपनिरीक्षक व पुलिस कांस्टेबल रखे जाएंगे। जो अलग-अलग विधानसभा वार कैश से लेकर मादक पदार्थों की खेप और अन्य गतिविधियों पर नजर रखने का काम करेंगे। इसी के साथ चुनाव को लेकर अलग-अलग विधानसभा में सुबह 6 बजे से लेकर रात 2 बजे तक के समय में टीम मौजूद रहेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को सूची सौंप दी है।

एसएसटी की टीम करेगी हथियारों से लेकर गिफ्ट बांटने वालों पर निगरानी

आगामी लोकसभा चुनाव को बिना किसी रूकावट के कराने के लिए एसएसटी यानी स्थानीय निगरानी टीम का भी गठन किया गया है। इस टीम का मकसद यह है कि यह टीम अवैध नगदी, अवैध शराब, हथियार और कोई संदेहास्पद वस्तु की तलाशी लेने और उल्लंघन करने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी। साथ ही उनके आपराधिक मामलों का भी निर्धारण कर सकती है। इसके साथ ही पोस्टर, बैनर, वोटर स्लिप या प्रचार सामग्री, नगद या उपहार के साथ पाए जाने वाले लोगों पर भी यह टीम कार्रवाई करने का अधिकार रखेगी। शास्त्र एवं अवैध वस्तु पर भी इस टीम की निगरानी रहेगी। स्थानीय निगरानी टीम भी विधानसभा वार बनाई गई है, जिसमें प्रशासन की टीमों के साथ ही पुलिस बल को भी शामिल रखा जाएगा।

वीडियो सर्विलांस टीम भी रहेगी मौजूद

आगामी लोकसभा चुनाव में खासतौर पर वीडियो निगरानी टीमें भी गठित की गई हैं, जो किसी भी मामले में और चुनाव आयोग को प्राप्त होने वाली सूचनाओं के साथ ही जिला प्रशासन को मिलने वाली शिकायतों की वीडियो ग्राफी और इसकी मॉनीटरिंग करने का काम करेगी। इसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है जो अलग-अलग विधानसभा बार अपना कार्य संभालेंगे। इसमें सरकारी विभागों के अधिकारियों को प्रमुखता के साथ शामिल किया गया है। इस दौरान प्रमुख रैलियों और ऐसे आयोजन जिस पर चुनाव आयोग को किसी प्रकार की आशंका होगी वहां बेहद गंभीरता बरती जाएगी।

कैश लेकर जाने वालों की होगी मॉनिटरिंग

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लेखा टीम भी तैनात की गई हैं। जो प्रत्येक विधानसभा बार मुस्तैद रहेंगी और नजर रखने का काम करेगी। इनका कार्य होगा कि कौन व्यक्ति कितना कैश लेकर जा रहा है और उसके पीछे का मकसद क्या है, अगर किसी व्यक्ति पर बिना किसी मकसद के कैश की प्राप्ति होती है, तो उसपर चुनाव आयोग और प्रशासन की टीम के साथ मिलकर कार्रवाई की जा सकती है। इसके साथ ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर पैसा ले जाने वालों का भी पुलिस दैनिक आधार पर डाटा उपलब्ध रखेगी। साथ कंट्रोल रूम से भी इन टीमों को जोड़ों के रखा जाएगा ताकि चुनाव में किसी प्रकार के पैसों के बल पर किए जाने वाले दुरुपयोग से बचा जा सके।

तालमेल और तत्परता से काम करेगी टीमें

जिला निर्वाचन अधिकारी आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह जिला निर्वाचन अधिकारी की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने बताया है कि बीते दिनों जिला मुख्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी तरीके की रणनीति और अधिकारियों को उनके दायित्व सौंप दिए गए हैं। आने वाले समय में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर टीम में अब तालमेल और तत्परता से काम करेगी।

घोसी में छड़ी घुमाने के लिए राजभर को करनी पड़ेगी मशक्कत

उपचुनाव में वोट ट्रांसफर कराने में नहीं हुए सफल

लखनऊ। ओम प्रकाश राजभर घोसी विधानसभा उप चुनाव में शत प्रतिशत राजभर वोट भाजपा को ट्रांसफर कराने में कामयाब नहीं हो सके थे। वहीं, प्रत्याशी अरविंद राजभर पहले भी दो चुनाव हार चुके हैं। घोसी लोकसभा क्षेत्र में सुभासपा की छड़ी घुमाने के लिए अरविंद राजभर को कड़ी मशक्कत करनी होगी। सपा और सुभासपा के बीच सीधा मुकाबला हुआ तो क्षेत्र की जातीय समीकरण में दलित मतदाता निर्णायक भूमिका अदा करेंगे। यदि सुभासपा, सपा और बसपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हुआ तो कांटे की टक्कर होगी।

एनडीए गठबंधन में घोसी लोकसभा क्षेत्र सुभासपा को मिला है। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर

को प्रत्याशी घोषित किया है। अरविंद पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। वर्तमान में यहां से बसपा के अतुल राय सांसद हैं। घोसी लोकसभा क्षेत्र में आजादी के बाद से केवल 2014 में भाजपा ने चुनाव जीता है। 1998 से सीट पर बसपा और सपा का ही कब्जा रहा है। घोसी में सबसे अधिक करीब सवा दो लाख दलित मतदाता है।

करीब डेढ़ लाख राजभर, डेढ़ लाख से अधिक मुस्लिम, सवा लाख नोनिया चौहान, एक लाख यादव, एक लाख ठाकुर, 50 हजार से अधिक ब्राह्मण और 25 हजार से अधिक भूमिहार मतदाता हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि भाजपा अगड़े समाज के वोट के साथ नोनिया चौहान वोट सुभासपा को ट्रांसफर कराने में सफल हो गई तो अरविंद प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी को कांटे की टक्कर देंगे। अरविंद राजभर ने 2022 में वाराणसी की शिवपुर से भाजपा के अनिल राजभर के सामने चुनाव लड़ा था। अरविंद चुनाव हार गए थे। राजभर ने इससे पहले 2017 का विधानसभा चुनाव अरविंद को भाजपा गठबंधन में बलिया की बांसडीह सीट से लड़ाया था। अरविंद वह चुनाव भी हार गए थे।

पांच में से दो सीट ही गठबंधन के पास

घोसी लोकसभा क्षेत्र में मधुबन, घोसी, मुहम्मदाबाद गोहाना, मऊ और रसड़ा विधानसभा क्षेत्र हैं। मधुबन भाजपा के पास है। घोसी और मुहम्मदाबाद गोहाना सपा के पास है। मऊ सुभासपा और रसड़ा बसपा के पास है। मधुबन से भाजपा के रामविलास चौहान विधायक हैं। रसड़ा बसपा के उमाशंकर सिंह का गढ़ माना जाता है। घोसी में सपा के सुधाकर सिंह और मुहम्मदाबाद गौहना में राजेंद्र कुमार विधायक हैं। मऊ में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी विधायक हैं।

उप चुनाव में असर नहीं दिखा सके थे राजभर

भाजपा ने घोसी विधानसभा उपचुनाव में सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को पिछड़े वोट लामबंद करने की कमान सौंपी थी। सपा से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुए दारा सिंह चौहान यहां से प्रत्याशी थे। भाजपा, सुभासपा, अपना दल एस, निषाद पार्टी और सरकार की पूरी ताकत लगने के बाद भी 42 हजार से अधिक मतों से भाजपा के दारा सिंह चुनाव हार गए थे।

महिला दिवस पर किया गया सौ से अधिक महिलाओं को सम्मानित

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आपलेंट माल एवं महिला प्रशिक्षण संस्थान के सोजन्य से आपलेंट माल में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया ,जिसमे वर्कींग वुमेन समित एवं शक्ति वन्दन सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया ,कार्यक्रम से राष्ट्रिय स्तर की अनेको दिग्गज महिलाओं ने कार्यक्रम में वक्ता के रुप अपनी भूमिका निभाई, जिसमे मुख्य रुप से पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट एडवोकेट गीतांजली वाधवा,एसेड़ अटैक फाइटर शाइना जी जिसमे इनकी 19 सर्जरी हो चुकी है ,महिला आयोग ,एम.के.चन्द्रा जी महिला विकास मंत्रालय, ड़ा.निलम सागर ,दिल्ली शिक्षा विभाग से कमलजीत वर्मा जी,आपलेंट माल मेनेजर मुक्तेश्वर मिश्रा जी,लाईव टी.वी. होस्ट जगप्रीत कौर ,आशिमा सुनिल ,ड़ा.रिचा महिला मोर्चा,पत्रकार सुनिता उपाध्याय,प्रीती मिश्रा श्वेता गोयल एवं ज्योती शर्मा आदि अनेको विख्यात लोग शामिल हुये। महिला प्रशिक्षण संस्थान की संस्थापिका शैली ने महिलाओं को रोजगारो ओर महिला उद्यमियों को बढावा देने हेतु कार्यक्रम में सौ से अधिक कामकाजी महिलाओं को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया।

आपलेंट माल जोईन्ट डायरेक्टर राहुल मित्तल ने महिला दिवस कार्यक्रम में सेवाभाव से बेटियों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भरते हुये कार्यक्रम को पूर्ण रुप से सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

महिला प्रशिक्षण संस्थान की संस्थापिका शैली ने कहा की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का एक वैश्विक दिवस है। कार्यक्रम में 100 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया।

रूसी सेना में जबरन भर्ती पंजाबी युवकों के परिजनों से मिले मंत्री धालीवाल

अमृतसर। पंजाब और हरियाणा के कई युवक रूस में फंसे हैं। उन्हें जबरन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उतार दिया गया है। तीन युवक पंजाब के गुरदासपुर जिले के हैं। वहीं एक युवक होशियारपुर का रहने वाला है। दो युवक हरियाणा के हैं। ये सभी टूरिस्ट वीजा पर रूस घूमने गए थे। पंजाब के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने शुक्रवार को गुरदासपुर के गांव डेहरीवाल किरण और अवांखा पहुंचे और रूसी सेना में जबरन भर्ती युवाओं के परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान समेत पूरी पंजाब सरकार संकट की इस घड़ी में परिवारों के साथ खड़ी है और सरकार अपने युवाओं को सुरक्षित वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर डॉ. हिमांशु अग्रवाल व अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। गांव डेहरीवाल किरण निवासी बलविंदर सिंह ने कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल को बताया कि गगनदीप सिंह 23 दिसंबर 2023 को टूरिस्ट वीजा पर रूस गया था, जहां रूसी सेना ने उन्हें और अन्य भारतीय युवकों को जबरन पकड़कर रूसी सेना में भर्ती कर लिया। उन्होंने पंजाब सरकार से मांग की है कि उनके बच्चों को जल्द वापस लाया जाए।

धालीवाल ने बताया कि रूस में फंसे तीन युवक गुरदासपुर जिले के डेहरीवाल किरण, अवांखा और जंदेह के हैं। एक युवक होशियारपुर जिले का और दो युवक हरियाणा के हैं। उन्होंने कहा कि एक युवक की अभी पहचान नहीं हो पाई है, जल्द ही पहचान कर ली जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने इस मुद्दे को विदेश मंत्रालय, रूस में भारतीय राजदूत और भारत में रूसी राजदूत के समक्ष उठाया है। इसके अलावा उन्होंने इस मुद्दे को पंजाब विधानसभा में भी उठाया है और मांग की है कि यह बेहद गंभीर मामला है, जिसे जल्द सुलझाया जाना बेहद जरूरी है। इनमें से ज्यादातर युवा पंजाब के हैं, जो विजिटर वीजा पर रूस गए थे लेकिन उन्हें जबरन रूसी सेना में शामिल कर लिया गया। धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार इन युवाओं की घर वापसी के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इस बात की भी जांच की जाएगी कि युवकों को भेजते समय एजेंटों ने वीजा नियमों या इमीग्रेशन एक्ट का उल्लंघन तो नहीं किया।

अगर कुछ भी गलत पाया गया तो एजेंटों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दीनानगर के पास अवांखा गांव में युवा रवनीत सिंह के पिता सुखदेव सिंह, मां कुलवंत कौर और जंदेह के युवा विक्रम सिंह के पिता जसबीर सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि पंजाब सरकार उनके बच्चों को वापस लाने का प्रयास करेगी। जल्द ही पंजाब के सभी युवाओं को सुरक्षित वापस लाया जाएगा।

'संसद में भी केजरीवाल, तो दिल्ली होगी और खुशहाल', लोकसभा चुनाव के लिए 'आप' ने दिया नारा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव के लिए दिल्लीवासियों से आशीर्वाद मांगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी, एलजी दिल्ली वालों से नफरत करते हैं। आम आदमी पार्टी आज से लोकसभा चुनाव कैंपेन की शुरूआत की। केजरीवाल और भगवंत मान ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली में कैंपेन लॉन्च किया। आम आदमी पार्टी छह राज्यों में चुनाव लडेगी। लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने नारा दिया है- 'संसद में भी केजरीवाल, तो दिल्ली होगी और खुशहाल'।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव के लिए दिल्लीवासियों से आशीर्वाद मांगा। उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला। सीएम ने कहा कि मैं दिल्ली के हर परिवार का बेटा हूं। मैं दिल्ली के लिए अकेला लड़ रहा हूं। आम आदमी पार्टी के सात सांसद होंगे तो वे भी दिल्ली के लिए लड़ेंगे। मुझे दिल्ली और दिल्ली को मेरी जरूरत है।

हमने दिल्ली में नौ साल में 30 फ्लाईओवर बनाए, बिजली मुफ्त की। केजरीवाल ने आरोप लगते हुए कहा कि बीजेपी, एलजी दिल्ली वालों से नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक तोड़े गए। दिल्ली में योजनाएं बंद कराई जा रही हैं। योगा योजना भी इन्होंने बंद

करवा दी। उपराज्यपाल ने फरिश्ते स्किम को बंद कर दिया। ना तो ये लोग खुद कुछ करेंगे और ना ही हमें करने देंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, आज आप एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। दिल्लीवासियों ने पिछले चुनावों में प्रचंड जीत दिलाकर आप के प्रति अपार प्यार और विश्वास दिखाया है। हम काम की राजनीति में विश्वास करते हैं, नफरत की राजनीति में नहीं। अरविंद केजरीवाल राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिन-रात काम करते हैं, हालांकि, केंद्र सरकार दिल्ली जल बोर्ड जैसे सभी महत्वपूर्ण कार्यों को रोक रही है।

केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि केंद्र दिल्ली के साथ अन्याय कर रहा है। इन्होंने जलबोर्ड को बर्बाद कर दिया। दिल्ली में हर योजना को रोका जा रहा है। केजरीवाल आपकी लड़ाई अकेले लड़ रहे हैं। पंजाब सीएम ने आगे कहा कि आपके काम रोकने वालों, परेशान करने वालों और विकास को रोकने वालों को पहचाने और उनके गलत कामों की सजा दें। हम आपके परिवार का हमेशा ख्याल रखने वाले हैं' अरविंद केजरीवाल अकेले लड़ रहे हैं लेकिन उनके पास आप सभी हैं और यही हमारी 'शक्ति' है। वो कहते हैं डबल इंजन, हम कहते हैं 'डबल शक्ति'।

दिल्ली में चार लोकसभा सीटों पर 'आप' ने उतारे उम्मीदवार

लोकसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की चार लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। पार्टी ने अपने तीन विधायकों सोमनाथ भारती, कुलदीप कुमार व सहीराम को मैदान में उतारा है, जबकि पश्चिमी दिल्ली में कांग्रेस से आप में शामिल हुए महाबल मिश्रा को मौका दिया है।

नई दिल्ली सीट पर सोमनाथ, पूर्वी दिल्ली से कुलदीप व दक्षिणी दिल्ली से सहीराम चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा आप ने राज्यसभा के पूर्व सदस्य सुशील गुप्ता को कुरुक्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। सीट बंटवारे को लेकर हुए समझौते के तहत आप दिल्ली में आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

बीते दिनों पंजाब में आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी (आप) के गठबंधन पर पूरी तरह से तब विराम लगा गया जब आप की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी (पीएसी) की बैठक में आप के पंजाब में अलग चुनाव लड़ने को लेकर फैसले पर मुहर लगी। पंजाब के सह प्रभारी डॉ. संदीप पाठक ने बताया कि पंजाब में दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला लिया है और वह इस फैसले का सम्मान करते हैं।

कोटा हादसे पर मुख्यमंत्री के प्रशासन को निर्देश

बच्चों को सर्वश्रेष्ठ इलाज उपलब्ध कराया जाए

कोटा। शिव बारात के दौरान करंट फैलने से हुए हादसे पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायल बच्चों को सर्वश्रेष्ठ इलाज उपलब्ध कराया जाए और उनके इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। कोटा में शिव बारात के दौरान हुए करंट हादसे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायल बच्चों को तुरंत सहायता प्रदान की जाए और उनके इलाज में किसी

भी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि इलाज के लिए पहुंचे बच्चों को सर्वश्रेष्ठ इलाज उपलब्ध कराया जाए। शिवरात्रि के मौके पर कोटा में कुन्हाड़ी थर्मल चौराहे के पास हुए हादसे में 15 बच्चे करंट की चपेट में आ गए। दरअसल यात्रा में कई बच्चे धार्मिक झंडे लेकर चल रहे थे। इसी दौरान एक झंडा हाइटेंशन लाइन से टच होने के कारण यह हादसा हो गया। बच्चों को तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हादसे के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जल्द ही जांच कराई जाएगी।

18 किमी तक का रोड शो करेंगे पीएम मोदी, होगी 40 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था, एसपीजी सभा में किया दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुग्राम में 11 मार्च को प्रस्तावित दौरे को लेकर एसपीजी के एआईजी ने अपनी टीम के साथ रैली स्थल का दौरा किया। जहां पर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली को लेकर प्रशासन की तैयारी जोरों पर है। द्वारका एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने के लिए वह 18 किमी की दूरी कार के काफिले

से करेंगे। उसके बाद वह रैली स्थल पर पहुंचेंगे। रैली स्थल के पीछे बन रहे हेलीपैड पर खड़े हेलीकॉप्टर से उनकी वापसी होगी। एसपीजी एआईजी के नेतृत्व में एक टीम शुक्रवार को मौके पर पहुंची। जिसने अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पूरे स्थल का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुग्राम में 11 मार्च को प्रस्तावित दौरे को लेकर एसपीजी के एआईजी ने अपनी टीम के साथ रैली स्थल का दौरा किया। जहां पर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्य सचिव व अन्य अधिकारी भी ऑनलाइन जुड़े हुए थे। बैठक के दौरान बजघेड़ा बॉर्डर से रैली स्थल तक प्रधानमंत्री के काफिला कार से आने की बात तय हुई। रैली को संबोधित करने के बाद उनकी वापसी हेलीकॉप्टर से होगी।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को इतने बच्चे क्यों हुए... विस्तार के साथ बताया जदयू विधायक ने

पटना। गोपाल मंडल ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। गोपाल मंडल ने एक बार फिर अपनी दावेदारी करते हुए कहा कि भागलपुर से मैं ही लडूंगा और एनडीए 40 की 40 सीट से जीतेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के चर्चित विधायक गोपाल मंडल ने लालू प्रसाद की तारीफ की है। उनके द्वारा पीएम मोदी पर दिए गए बयान का समर्थन किया है। लालू प्रसाद के परिवारवाद के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि परिवारवाद को लेकर लालू यादव क्या बोलेंगे।

लालू यादव खुद काफी सीधे हैं। छात्र जीवन में ही उनकी शादी करवा दी गई। विशेष जानकारी नहीं होने के चलते उन्होंने कई बच्चों को पैदा कर लिया और अपनी फौज तैयार कर ली। इसमें दिक्कत क्या है? मैंने भी चार बच्चे पैदा किया है, जिसमें दो लड़के और दो लड़कियां हैं। उन्होंने कहा कि ह्यहो जाता है।

इससे लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी क्यों होती है, पता नहीं।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने नरेंद्र मोदी के हिन्दू होने के सवाल उठाया। इसपर गोपाल मंडल ने कहा कि मां निधन पर एकदम कटवाना चाहिए। बाल कटवाना तो हिन्दू धर्म का परंपरा है। अब मोदी जी नहीं कटवाएं क्या कारण है? वह भी आरएसएस के लोग हैं। हो सकता है नहीं मानते होंगे इन सब चीजों को। लेकिन, हिन्दूवाद तो करते हैं। वहीं तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि यह सब सवाल मत पूछिए। कोई किसी टाइम में कुछ भी बन सकता है। लेकिन हमारे नीतीश कुमार फिर सीएम बनेंगे।

भागलपुर से मैं ही लडूंगा और एनडीए 40 की 40 सीट से जीतेगा

लोकसभा चुनाव 2024 में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि ऐसा सवाल मुझसे मत कीजिये। उन्होंने कहा कि बिहार में कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। गोपाल मंडल ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। गोपाल मंडल ने एक बार फिर अपनी दावेदारी करते हुए कहा कि भागलपुर से मैं ही लडूंगा और एनडीए 40 की 40 सीट से जीतेगी। गोपाल मंडल ने कहा कि भागलपुर से कोई और नहीं लड़ सकता। भागलपुर में जदयू चुनाव लड़ेगी, जिसका प्रतिनिधित्व मैं करूंगा।

लालू यादव को बताया आका, कहा- वह मसीहा हैं

गोपाल मंडल ने लालू यादव की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने राजद सुप्रीमो का पक्ष लेते हुए कहा कि लालू यादव हम लोगों के आका हैं, वह बैकवर्ड जाति के मसीहा है। उन्होंने कहा कि लालू यादव से मेरी बात होते रहती है वह उन्होंने यह भी कहा कि सिंबल मेरे पैकेट में रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है मैं कहां से और कैसे चुनाव लडूंगा।

सेकेंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामला, मुख्य आरोपी सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण की संपत्ति सीज

जयपुर। ईडी से मिली जानकारी के अनुसार, सुरेश ढाका की लंबे समय से तलाश है। ईडी सुरेश को पकड़ने के लिए कई बार प्रयास कर चुकी है। लेकिन उस तक नहीं पहुंच सकी। इस दौरान जांच में साबित हो गया था कि सुरेश ढाका ने जो संपत्ति बनाई, वह पेपर लीक करके बनाई थी। इस पर ईडी ने कार्रवाई की। जयपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गुरुवार को कार्रवाई कर सेकेंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण की प्रॉपर्टी को सीज कर दिया है। ईडी ने सुरेश ढाका के वैशाली नगर स्थित फ्लैट, बगरू स्थित फैक्ट्री, हीरापुरा पावर हाउस स्थित मकान को सीज किया है। साथ ही संपत्ति पर भारत सरकार का बोर्ड लगा दिया है। दिल्ली कोर्ट से इजाजत के बाद ईडी ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। ईडी से मिली जानकारी के अनुसार, सुरेश ढाका की लंबे समय से तलाश है। ईडी सुरेश को पकड़ने के लिए कई बार प्रयास कर चुकी है। लेकिन उस तक नहीं पहुंच सकी। इस दौरान जांच में साबित हो गया था कि सुरेश ढाका ने जो संपत्ति बनाई, वह पेपर लीक करके बनाई थी। इस पर ईडी ने कार्रवाई की।

हिमाचल में फिर बिगड़ेगा मौसम, चार दिनों तक बारिश-बर्फबारी के आसार

शिमला। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 10 व 12 मार्च की रात से लगातार दो ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य के कई भागों में चार दिन बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में दो दिनों तक साफ रहने के बाद मौसम के फिर बिगड़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 10 व 12 मार्च की रात से लगातार दो ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य के कई भागों में चार दिन बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। 10 मार्च को उच्च पर्वतीय कुछ स्थानों पर मौसम खराब रह सकता है।

हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण
प्रीत विहार, दिल्ली रोड, हापुड़-245101
वेबसाइट: www.hpdaonline.in, ई-मेल: hpda_1@rediffmail.com
पत्र सं.: 336/एच.पी.डी.ए./2023-24 दि. 08.03.2024
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
उपाध्यक्ष, हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की ओर से हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों/विशिष्ट श्रेणी से ई-निविदा आमंत्रण सूचना सं. 335/अधी0अभि0/एच.पी.डी.ए./2023-24 दिनांक 08.03.2024 में वर्णित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा संबंधी समस्त विवरण व शर्तें हापुड़-पिलखुवा की वेबसाईट **www.hpdaonline.in** एवं **https://etender.up.nic.in** पर दिनांक **11.03.2024** से उपलब्ध होंगी। संबंधित निविदा को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख अंकित की गई तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदा को उसके सम्मुख अंकित तिथि पर खोला जाएगा। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए वेबसाईट देखते रहें। **प्रभारी अधीक्षण अभियंता**
"सुनियोजित विकास, आपकी आशा-हमारा ध्येय • जल संचय-जीवन संचय"

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली ।। शनिवार 09 मार्च -2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

क्या इस बार कांग्रेस-सपा से नहीं होगा लोकसभा गठबंधन उम्मीदवार !

बंधेगी किसी और ऐंगल से गांठ और बाहर आयेगा एक बड़े डॉक्टर साहब का नाम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भगवागढ़ में भाजपा के सामने इस बार गठबंधन उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस का प्रत्याशी ताल ठोकेगा। उसकी वजह ये है कि कांग्रेस और सपा में गठबंधन हुआ है और यूपी में सपा ने कांग्रेस के खाते में 17 सीट दी हैं। गाजियाबाद उसी कोटा सीट में है और यहां कांग्रेस का उम्मीदवार आना है। लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि कहानी में मोड आ गया है। कांग्रेस ने जब पहली सूची जारी कि तो उसमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम और तेलंगाना के उम्मीदवार घोषित किये हैं। उसे यूपी में अपने उम्मीदवार घोषित करने हैं। लेकिन गाजियाबाद की सपा-कांग्रेस वाले चुनावी गठबंधन की कहानी में मोड आ गया है। सूत्र बताते हैं कि यहां पर सपा को चुनाव लड़वाना है और कांग्रेस को अपना उम्मीदवार लाना है। लेकिन अब जो कुछ होने जा रहा है वो उम्मीदों से कहीं आगे होना है। सूत्र बताते हैं कि यहां ना तो कांग्रेस का उम्मीदवार आयेगा और ना ही सपा अपने किसी चेहरे को लायेगी। यहां कहानी नया मोड लेकर तब आयेगी जब किसी ओर ही ऐंगल से यहां गठबंधन की गांठ बधेगी और सब चौंक जायेंगे जब एक बड़े डॉक्टर साहब का नाम आयेगा।

ऐसे भी दिन आयेंगे जब कांग्रेसी-सपाई मिलकर किसी तीसरे को लड़ायेगें

करंट क्राइम। भगवागढ़ में गठबंधन तो पहले भी हुआ है और फामूर्ला भी यहीं से निकला था लेकिन इस बार तो रंग कहीं और बरसेगा और उमंग कहीं और होगी। सूत्र बताते हैं कि किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि ऐसे भी दिन आयेंगे जब कांग्रेस और सपा हाथ मिलायेंगे। समाजवादी पार्टी कांग्रेस के लिए सीट छोड़ेगी और इसके बाद सपाई और काग्रेंसी मिलकर किसी तीसरे को चुनाव लड़ायेंगे। ये तीसरे चेहरे भी कोई निर्दलीय नहीं बल्कि एक राजनीतिक दल के उम्मीदवार होंगे। सपा और कांग्रेस मिलकर इस दल को समर्थन करेंगे और ये भी संभव है कि चुनाव तीसरे दल के सिम्बल पर लड़ा जाये।

कांग्रेस वाले नहीं चाहते किसी लोकल चेहरे को लड़ाना चुनाव

करंट क्राइम। सीट भले ही कांग्रेस के खाते में आई है लेकिन उम्मीदवारी की बात पर यहां कांग्रेसियों को अपने लोकल दावेदार की दावेदारी कतई रास नहीं आई है। जिलाअध्यक्ष बिजेन्द्र यादव पहले ही कह चुके हैं कि यहां कैलीबर का उम्मीदवार चाहिए। जहां तक पुराना रिकार्ड है तो वो इस बात का है कि यहां लोकसभा में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहकर चुनाव लड़े राज बब्बर की जमानत 2014 में जब्त हो चुकी है। 2019 में कांग्रेस की उम्मीदवार डॉली शर्मा की जमानत जब्त हो गई। 2022 में जब विधानसभा चुनाव हुआ तो कांग्रेस के उम्मीदवारों की हर सीट पर यहां जमानत जब्त हो गई। ऐसे में अब जब उम्मीदवारी की बात है तो कांग्रेस वाले किसी भी लोकल चेहरे को लड़ाने के मूड में नहीं है।

नहीं लागू होगा इस बार पिछले लोकसभा चुनाव का समाजवादी फामूर्ला

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी ने 2019 में बसपा के साथ गठबंधन किया और सीट सपा के खाते में थी। लेकिन यहां सपा ने अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारा बल्कि वो बसपा के पूर्व विधायक सुरेश बंसल को समाजवादी बनाकर उन्हें उम्मीदवार बनाकर लाई। रालोद ने गठबंधन सहयोगी की भूमिका निभाई। लेकिन इस बार ये फामूर्ला भी लागू नहीं होगा। यदि ऐसा होता तो यहां सपा के पास अभिषेक गर्ग के रूप में सौम्य चेहरा है। वो चुनावी रण में आ भी सकते हैं लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि यहां इस बार अलग ही गणित आयेग। कोई एक्सचेंज स्कीम नहीं होगी और नए चेहरे की एन्ट्री होगी। समीकरण भी अलग होगा और गठबंधन का रंग भी बिल्कुल अलग ही होगा।

करना होगा ट्रस्ट जब डॉक्टर साहब की एन्ट्री के बाद बढ़ जायेगा बीपी

करंट क्राइम। स्टोरी में ट्विस्ट आ रहा है और बताने वाला ये बता रहा है कि आप इस बात पर ट्रस्ट कर लो कि बड़े नेताओं ने डॉक्टर साहब पर ट्रस्ट कर लिया है। कहानी में ना कांग्रेस का चेहरा आयेगा ना सपा का चेहरा आयेगा लेकिन कईयों का बीपी तब बढ़ जायेगा जब कहानी में डॉक्टर साहब का नाम आयेगा।

हो चुकी है बड़े नेताओं से मुलाकात और अब आरडीसी में होगी बात

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि जिस उम्मीदवार के नाम पर उम्मीद बन चुकी है उन डॉक्टर साहब की बात सपा और कांग्रेस के बड़े नेताओं से हो चुकी है। उनकी मुलाकात भी हो चुकी है और वीडियो कॉल पर बात भी हो चुकी है। सूत्र बता रहे हैं कि अब इस प्रतिष्ठित चेहरे की आरडीसी सेंटर वाले होटल में मीटिंग होगी। उसके बाद पूरा गणित सामने आ जायेगा।

किसने बना लिये कब्रिस्तान में मकान और अब लगा रहे हैं दुकान

निगम के बुल्डोजर ने दिन में कब्जे हटाये और किसी ने रात में फिर लगाये

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ये कहानी शहर के बीचो-बीच बने उस कब्रिस्तान की है जो इन दिनों चचाओं में है। यहां पर ये आरोप लग रहा है कि कब्रिस्तान में खोखे रखे जा रहे हैं। इसकी शिकायत पूर्व पार्षद जाकिर सैफी ने भी की और उनकी शिकायत के बाद नगर निगम का बुल्डोजर सिहानी गेट बाजार क्षेत्र के इस कब्रिस्तान में पहुंचा। यहां कुछ लोगों ने कब्रिस्तान के बाहर अवैध रूप से खोखे रखे हुए हैं। इनकी शिकायत कब्रिस्तान के मुतवल्ली रईस पुत्र मोहम्मद हुसैन ने भी 21 फरवरी को जिलाधिकारी से की थी। जाकिर सैफी ने नगरआयुक्त को दी गई शिकायत में ये आरोप लगाया था कि कब्रिस्तान में कब्रों के ऊपर खोखे रखने की साजिश हो रही है। नगर निगम की टीम जब यहां बुल्डोजर लेकर पहुंची तो यहां अवैध रूप से खोखे रखे हुए थे। पहले कब्रिस्तान में रहने वाले लोगों ने निगम की टीम का विरोध किया। बाद में वे खोखे हटाने पर राजी हो गये। तब उन्हें निगम की टीम ने 20 मिनट की मोहलत दी और आंशिक कार्यवाही के बाद लोगों ने खोखे पीछे कर लिये और निगम की टीम वापस लौट गई।

कब्रिस्तान में मुर्दों से ज्यादा घेर ली जिंदा लोगों ने जमीन

करंट क्राइम। अगर खोखों का आरोप लग रहा है और खोखे बनने का भी कोई फोटो वायरल हुआ है अगर यहां दुकानें बनाने की बात है तो कुछ तो आग है जो ये धुंआ उठ रहा है। क्या वास्तव में यहां खोखे रखने या दुकानें बनाने का प्लान हो रहा है। क्या कहानी में भाजपा नेताओं का भी कोई रोल है। क्या यहां वास्तव में कब्रिस्तान के भीतर अवैध कब्जा हो गया है। क्या कब्रिस्तान में मुर्दों से ज्यादा जिंदा लोगों ने जमीन घेर ली है। अगर ऐसा है तो फिर इसकी जांच होनी चाहिए।

मैं कर चुका हूं डीएम से लेकर सीएम तक अवैध कब्जे की शिकायत

करंट क्राइम। कब्रिस्तान के मुतवल्ली रईस अहमद ने बताया कि उनके दादा परदादा और पिता इसी कब्रिस्तान में मुतवल्ली का काम देखते आ रहे हैं। यह वक्फ कब्रिस्तान संख्या 617 सिहानी गेट गाजियाबाद है। यहां कुछ लोग अवैध कब्जा करके रह रहे हैं। कब्रिस्तान का एक चौथाई हिस्सा ये लोग घेर चुके हैं और इस पर मकान बनाकर रह रहे हैं। 15 फरवरी को भी इन लोगों ने अवैध तख्त रखकर कब्जा करने की कोशिश की थी। पुलिस को सूचना दी गई थी और ये लोग झूठी शिकायते भी दे रहे हैं। मैंने डीएम से लेकर सीएम तक अवैध कब्जे की शिकायत की है। यदि यहां कार्रवाही नहीं की गई तो ये पूरा कब्रिस्तान अवैध कब्जे की चपेट में आ जायेगा।

निगम की टीम लौटी वापस और रात में फिर हो गई कब्जों की कोशिश

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि यहां पर एक नहीं बल्कि कई परिवार रह रहे हैं। कब्रिस्तान में केवल खोखे ही नहीं रखे गये हैं बल्कि यहां बाकायदा पक्के मकानों का निर्माण किया गया है। दोनों ही तरफ से ये मकान बनें है। कब्रिस्तान में मकान बनाकर कौन लोग रह रहे हैं इसकी जांच होनी है। गुरूवार को जब नगर निगम की टीम बुल्डोजर लेकर पहुंची तो पहले विरोध हुआ और बाद में ये लोग पीछे हट गये। लेकिन रात में फिर से अवैध कब्जे की कोशिश हुई। उससे पहले भी 15 फरवरी को रात में तख्त रखकर जगह घेरने की कोशिश हुई थी। ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरो में कैद है।

जब पूर्व मंत्री ने मांगा कैबिनेट मंत्री से मिलने का टाइम

तब कैबिनेट मंत्री खुद पहुंच गये पूर्व मंत्री के घर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इस समय गाजियाबाद के कमल फूल वालों में गजब की फीलिंग है। वजह यह है कि उनमें से एक विधायक सुनील शर्मा को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। ऐसा नहीं है कि पहले कोई मंत्री नहीं बना है या अब कोई मंत्री नहीं है। अतुल गर्ग पिछली सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री भी रहे और वो प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्यमंत्री भी रहे। एमएलसी नरेन्द्र कश्यप मौजूदा समय में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार है। लेकिन जब साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा के कैबिनेट मंत्री बनने की घोषणा हुई तो भगवागढ़ में एक अजब सी बहार है। उसकी वजह भी ये मानी जा रही है कि सुनील शर्मा का अपना एक लंबा भाजपाई सफर है। कार्यकर्ता के रूप में शुरूआत की और ग्रास रूट लेवल से आये हैं। वो कैबिनेट मंत्री बने तो संगठन ने उनका जबरदस्त स्वागत किया। वो कैबिनेट मंत्री बने तो नगर निगम के पार्षदों ने कई स्थानों पर सुनील शर्मा का वैलकम किया। सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री बने तो उनके लिए दिल्ली से राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह का फोन आया। सुनील शर्मा के मंत्री बनने के बाद ये खुशी क्यों है इसका एहसास खुद कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कराया। उन्हें पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने फोन किया और वह स्वयं जाकर सुनील शर्मा को बधाई देना चाहते थे। जब पूर्व मंत्री ने उन्हें फोन किया तो कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने स्वयं उनका फोन उठाया। जब बालेश्वर त्यागी ने कहा कि वह उनके घर आना चाहते हैं और मिलने का समय जाना तो उधर से कैबिनेट मंत्री का जवाब था कि मैं आपके घर आ रहा हूं और सुनील शर्मा वास्तव में पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी के घर पहुंचे। कैबिनेट मंत्री की इस अदा ने पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी के मन को गदगद कर दिया। उन्होंने अपनी पोस्ट में इस पूरे घटनाक्रम का जिक्र किया। इसके बाद सभी ने इस आत्मीयता को सराहा। भाजपा के कई नेताओं का ये मानना है कि चूंकि सुनील शर्मा कार्यकर्ता बैकग्राउंड से है इसलिए वो कार्यकर्ता के मान और सम्मान को समझते हैं। वार्ड अध्यक्ष से लेकर कैबिनेट मंत्री का सफर तय किया है तो वो जानते हैं कि वरिष्ठों को कैसे सम्मान देना है।

कार्यकर्ता का ये भाव साथियों को सम्मान देना करता है उन्हें संस्कारों में प्रथम स्थान पर

करंट क्राइम। पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने पूरे घटनाक्रम को अपने शब्दों में लिखा और उन्होंने कहा कि सुनील शर्मा कैबनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार आज सुबह मेरे घर पधारे। वे स्वयं गुलदस्ता और मिठाई लेकर आये। उनकी इस सहृदयता और उदारता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मेरा आज सुबह उनके घर जाकर बधाई देने का कार्यक्रम था। पृथ्वी सिंह, सुरेंद्र त्यागी (जदयू) और अरुण शर्मा को भी चलकर उनको बधाई देने का कार्यक्रम बना था। मैंने उनका कार्यक्रम जानने के लिए फोन किया। फोन उन्होंने स्वयं उठाया। मैंने मिलने का उपयुक्त समय जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि मैं आपके घर आ रहा हूँ। मैंने कहा कि मेरे साथ दो तीन और भी आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अपने घर पर ही बुला लो मैं आपके घर आ रहा हूँ। उनका इस तरह से व्यस्त समय में से समय निकाल कर घर आकर बधाई स्वीकर करना, मैं उनके इस बड़प्पन और सम्मान देने की भावना का कायल हूँ और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। ये कार्यकर्ता का भाव, अपने साथियों को सम्मान देना सुनील शर्मा को भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों की परंपरा में प्रथम स्थान पर खड़ा करता है। अभी तक गाजियाबाद में इसी अपनत्व के भाव का अभाव खलता था। सुनील शर्मा के मंत्री बनने से इस भाव की पुनर्स्थापना हुई है। सुरेंद्र त्यागी, अनिल त्यागी, सत्यकेतु सिंह, डीएन सिंह, अरुण शर्मा, हिमांशु लव व प्रेम त्यागी सहित कई कार्यकर्ता इस अवसर पर मौजूद थे। सुनील शर्मा के आगमन से सभी परिवारिजनों ने प्रसन्नता का अनुभव किया।

किस चुनावी फेस को लोकसभा का ये चुनाव देगा पॉल्टिकल बेस

कौन लड़ेगा यहां चुनावी रण में और कितने वोटों पर सिमटेगी ये रेस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चुनावी रण की मुनादी कभी भी हो सकती है। चुनाव आयोग अब कभी भी चुनावी अधिसूचना जारी कर सकता है। सभी दल अपने-अपने हिसाब से अपनी-अपनी रणनीति बना रहे हैं। कल तक जो मिलकर चुनाव लड़े थे वो अब अलग-अलग राहों पर जा रहे हैं और जो अलग राहों के साथी थे वो साथ आ रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा, बसपा और रालोद मिलकर लड़े थे। इस बार रालोद भाजपा के साथ और अलग रहने वाली कांग्रेस ने सपा का हाथ थामा है। सपा के साथ

लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ी और फिर जीरो से दस पर पहुंची बसपा इस बार अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर रही है। चुनावों के बीच एक पहचान उन चेहरों की भी होती है जो चुनाव लड़ते हैं। चुनाव हारना या जीतना अलग बात है लेकिन मजबूती के साथ चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पहचान बनाना एक अलग बात है। कई ऐसे चेहरे हैं जो गाजियाबाद में चुनाव लड़े और गुमनामी में खो गये। कई ऐसे चेहरे हैं जो चुनाव लड़े और चुनाव हारने के बाद भी उन्होंने अपनी एक राजनीतिक पहचान बनाई। ऐसे चेहरे जिन्होंने चुनाव हारने के बाद खुद को एक पोलिटिकल फेस के रूप में स्थापित किया। मेयर चुनाव लड़ने से पहले कांग्रेस की डॉली शर्मा को राजनीति में कौन जानता था। लेकिन मेयर चुनाव में अपने तेवरों के साथ चुनाव लड़कर डॉली शर्मा ने अपने एक पहचान बनाई। उन्हें कांग्रेस की राष्ट्रीय टीम में भी स्थान मिला और उन्हें लोकसभा का टिकट भी मिला। सिकन्दर यादव जब पहली बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मेयर चुनाव लड़े थे तो उनके चुनावी तेवरों ने उन्हें एक नेता के रूप में स्थापित किया था। ऐसे में अब जब भगवागढ़ में चुनाव की रणभेरी बजने वाली है तो ये भी देखा जायेगा कि इस बार 2024 का लोकसभा चुनाव विपक्ष के किन चेहरों को यहां एक पहचान देगा। कौन से वो सियासी फेस होंगे जो चुनाव लड़ेंगे और नतीजे से बेखबर अपना एक पोलिटिकल बेस बनायेंगे। चुनाव हारना या जीतना इतना महत्वपूर्ण नहीं है लेकिन ये देखा जायेगा कि किस उम्मीदवार की रेस कितने वोटों पर सिमट जायेगी। ये चुनाव कई चेहरों को उनकी पोलिटिकल पहचान देकर जायेगा।

संपादकीय

प्रश्न मानसिकता का हैं

परिवार में लड़कियों के मामले में ही हम क्यों कहते हैं कि कुछ ऊंच-नीच हो जायेगी। पुरुषों के मामले में ऐसा क्यों नहीं कहते हैं। पूरी सोच इसी पर होती है कि लड़कियां ऐसा नहीं करती हैं या लड़के ऐसा नहीं करते हैं। इसी मानसिकता का ही नतीजा होता है कि बलात्कारी किशोरों के जघन्य जुर्म को हल्के में लेते हुए कहा जाता है कि लड़के तो लड़के ही हैं। या पीड़ित लड़कियों या महिलाओं को ये संदेश देने की कोशिश की जाती है कि उनके पहनावे या देर तक बाहर रहने के कारण उन पर यौनिक हिंसा हुई। लैंगिक समानता को पाने में ऐसा भाव, चाहे महिलाओं में हो या पुरुषों में, बना रहना लैंगिक समानता पाने में एक अवरोधक है। इस कारण वे जेंडर अन्याय को भी नहीं पहचान पाते हैं। कई बार महिलाओं की स्वयं की सोच भी लैंगिक समानता के हक को पाने में या दूसरों के लिए उसको दिलाने में बाधक हो सकती हैं। उन्हें ऐसा तो होता ही आया है की मनोवृत्ति से बाहर निकलना ही होगा। पुरुष मुख्यत: केवल अपने ऑफिस या काम के लिए जाने को तैयार होता है। महिलाएं सारा काम निपटा कर टिफिन तैयार कर दिन में उसके न रहने पर घर में जो होगा उसकी जरूरतें कैसे पूरी होंगी, ये सब सुनिश्चित कर काम पर जाती हैं। काम से घर लौटने पर महिला रसोई प्रबंधन व बच्चों के होम वर्क पर लग जाती है। पुरुष अपनी रुचि अनुसार ऑफिस से लौटने के बाद स्वतंत्र समझता है। जहां दम्पति दोनों नौकरीपेशा हों, वहां कार्यालय काम से घर आने के बाद और कार्यालय काम में जाने के पहले का व्यवहार या स्थितियां भी लैंगिक असमानता के सूचक ही नजर आते हैं। नैतिकता व अपेक्षाओं के मानक पुरुषों व महिलाओं के लिए जब अलग-अलग हों तो लैंगिक समतामूलक न्याय भी कैसे पाया जा सकता है। यथार्थ में तो जिस तरह से किशोर अपराधियों व बलात्कारियों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है उसकी चेतावनी तो यह है कि ऊंच-नीच के संदर्भ में लड़कों पर ज्यादा नजर रखे जाने की जरूरत है। फिर भी पूरा प्रवचन इसी पर होता है कि लड़कियां ऐसा नहीं करतीं, लड़के ऐसा नहीं करते। इसी मानसिकता के चलते राजनीति, प्रशासन या प्रोफेशनल क्षेत्र में उच्च मुकाम पाई महिलाओं को अपने व्यक्तिगत जीवन को लेकर दुष्प्रचार झेलने पड़ते हैं। कहीं-कहीं महिला पंचायत प्रधानों के अधीन पंचायत कर्मी काम नहीं करना चाहते हैं। ऐसे ही माहौल में खाप पंचायतें इतनी प्रबल हो जाती हैं कि सुप्रीमकोर्ट को उन्हें बालिगों के मामले में हस्तक्षेप न करने को चेताना पड़ता है। लैंगिक समता पाने को व्यक्तिगत, सामाजिक-मानसिक जकड़नों व सोच के पतन पर भी चोट वांछित है। सच्चाई यह भी है कि महिलाओं के पास भी पर्याप्त अवसर रहते हैं कि वो समाज में लैंगिक समानता के प्रति संवेदनशील होने के लिये बचपन से ही बच्चों को तैयार कर सकें। शिक्षक ज्यादातर कम से प्राथमिक कक्षाओं में महिलायें ही होती हैं। मां के रूप में भी अपने बच्चों में चाहे वे लड़के हों या लड़की लैंगिक समानता के लिए संवेदना बढ़ाने व उसे आचरण में अपनाने के लिये प्रेरित करने में महिलाओं के पास पर्याप्त अवसर होते हैं। यदि ऐसा नहीं हो रहा है तो उस पर हम सभी को आत्मविश्लेषण की जरूरत है। कन्या जन्म में महिलाओं के लिये प्रताड़ना मुख्यत: पारिवारिक महिलाओं के दबावों के कारण ही आती है। वहीं किशोरियों या महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने में महिलाओं की संलिप्तता बहुत देखी जा रही है। लैंगिक भेदभाव मिटाने को आमजन को भी अपनी-अपनी जगह पर प्रयास करने होंगे। लैंगिक असमानता को प्रतिपादित करने वाले वातावरण पर चोट करने का काम तो करना ही होगा। हममें से हर कोई अवसर आने पर अपने व्यवहार से कर सकता है। समाज जहां लैंगिक असमानता के लिए जिम्मेदार रहा हो, वहीं वह लैंगिक भेदभाव समाप्त करने में भी सहायक हो सकता है। बदलाव के लिए नेताओं को तो काम करना ही होता है। आजादी के पहले कतिपय क्षेत्रों में सतीप्रथा का जारी रहना समाज की मूक स्वीकृति ही थी। कानून ने इसे प्रश्रय नहीं दिया था। इसकी समाप्ति में भी सामाजिक आंदोलन की प्रमुख भूमिका थी।

निवेश करने में केंद्र सरकार समेत सभी राज्य पिछड़े

आचार सहिता लगने से भी बाधित हो सकता है खर्च

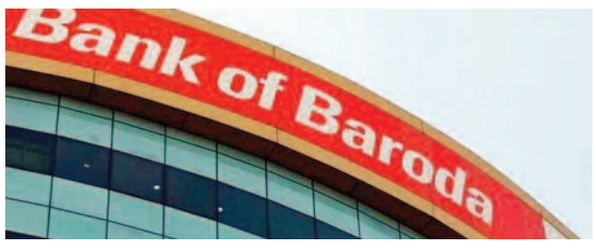

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र ने चालू वित्त वर्ष में 37 फीसदी खर्च किया है जो पिछले वर्ष के 33 फीसदी से अधिक है। कर्नाटक का खर्च पिछले वित्त वर्ष में 74 फीसदी से घटकर इस वित्त वर्ष में 41 फीसदी पर आ गया है। चालू वित्त वर्ष का यह अंतिम महीना है। फिर भी कोई भी राज्य अपने बजट अनुमान के निवेश को पूरा नहीं कर पाया है। केंद्र सरकार भी बजट अनुमान का 76 फीसदी हिस्सा यानी 7.2 लाख करोड़ ही निवेश कर पाई है। 27 राज्यों ने केवल 53 फीसदी यानी 4.7 लाख करोड़ रुपये खर्च किया है।

इस महीने आचार संहिता लगने से निवेश के बाधित होने की आशंका है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र ने चालू वित्त वर्ष में 37 फीसदी खर्च किया है जो पिछले वर्ष के 33 फीसदी से अधिक है। कर्नाटक का खर्च पिछले वित्त वर्ष में 74 फीसदी से घटकर इस वित्त वर्ष में 41 फीसदी पर आ गया है। पश्चिम बंगाल का खर्च 35 से बढ़कर 44 फीसदी और असम का 34 से बढ़कर 51 फीसदी हो गया है। गुजरात ने पिछले वित्त वर्ष में 57 फीसदी रकम खर्च की थी।

इस वित्त वर्ष में 46 फीसदी खर्च किया है। राजस्थान का खर्च 43 फीसदी से बढ़कर 52 फीसदी, झारखंड का 41 से 56 फीसदी और ओडिशा का खर्च 58 फीसदी से घटकर 57 फीसदी रहा है। तमिलनाडु ने 62 फीसदी खर्च किया है। पिछले वित्त वर्ष में यह 53 फीसदी था।

मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा सबसे पीछे : चालू वित्त वर्ष यानी अप्रैल से लेकर जनवरी तक सबसे कम खर्च मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा का रहा है जो बजट अनुमान का 30 फीसदी से भी कम है। सबसे ज्यादा खर्च तेलंगाना ने किया है। इसने बजट अनुमान का 90 फीसदी खर्च किया है और उम्मीद है कि इस माह के अंत तक यह रकम 100 फीसदी हो जाएगी।

पांच गुना बढ़कर 60 अरब डॉलर पहुंचेगा मोबाइल निर्यात, मिलेंगे 15 लाख रोजगार

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, मोबाइल फोन निर्यात बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के 15 लाख अवसर पैदा होंगे। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख लोगों को रोजगार मिला है, जिनकी संख्या बढ़कर 25 लाख पहुंचने की उम्मीद है। देश में बने मोबाइल फोन की मांग दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। आने वाले समय में भारत 50-60 अरब डॉलर तक के मूल्य का मोबाइल फोन निर्यात करेगा। यह आंकड़ा पिछले साल के 11 अरब डॉलर के मोबाइल फोन निर्यात की तुलना में पांच गुना से अधिक है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, मोबाइल फोन निर्यात बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के 15 लाख अवसर पैदा होंगे। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख लोगों को रोजगार मिला है, जिनकी संख्या बढ़कर 25 लाख पहुंचने की उम्मीद है। वैष्णव ने एक कार्यक्रम में कहा, 10 साल पहले भारत 98 फीसदी मोबाइल फोन आयात करता था। अब 99 फीसदी मोबाइल फोन भारत में ही बनते हैं। इसमें मेक इन इंडिया के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र पर जोर देने के साथ मोबाइल फोन निमार्ता कंपनियों को प्रोत्साहन देने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता बना भारत : देश के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने एक दशक पहले तय किया गया लक्ष्य सफलता से पूरा कर लिया है। भारत ने इन 10 वर्षों में 4.1 लाख करोड़ रुपये के कुल 245 करोड़ मोबाइल फोन बनाए हैं। इसके साथ ही, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता बन गया है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के मुताबिक, यह क्षेत्र 2014 में जहां 78 फीसदी आयात पर निर्भर था, अब यह 97 फीसदी तक आत्मनिर्भर हो गया है। उस समय उद्योग ने अगले 10 वर्षों में 20 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन उत्पादन का लक्ष्य तय किया था। आज 19.45 लाख करोड़ रुपये के कुल मोबाइल उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। आईसीईए के मुताबिक, 2014-15 में भारत सिर्फ 1,556 करोड़ रुपये के मोबाइल फोन निर्यात करता था। 2023-24 में यह आंकड़ा 1.2 लाख करोड़ पहुंचने की उम्मीद है, जो 7,500 फीसदी वृद्धि दशार्ता है। 2014-24 के दौरान मोबाइल फोन निर्यात बढ़कर 3.22 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

2013 तक नाजुक अर्थव्यवस्था था भारत अब बन गया दुनिया का विकास इंजन

2013 तक दुनियाभर में भारत को लेकर नकारात्मक चर्चा होती थी। हर कोई कहता था...यह नाजुक अर्थव्यवस्था है। चारों ओर अनिश्चितता है। लेकिन, आज का भारत बदल गया है। जब आप भारत को कहीं भी देखते हैं तो हर कोई कहता है कि यह पूरी दुनिया का विकास इंजन बन गया है।

नीति आयोग का डिजिटल बुनियादी ढांचा मंच शुरू

वैष्णव ने नीति आयोग के मंचनीति फॉर स्टेट्स की शुरूआत की। यह नीति और शासन के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है। साथ ही, मंत्री ने नीति आयोग की इमारत में विकसित भारत रणनीति कक्ष का भी उद्घाटन किया। नीति फॉर स्टेट्स मंच पर उपलब्ध सूचनाएं 10 विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हैं। इनमें कृषि, शिक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आजीविका व कौशल, विनिर्माण, एमएसएमई, पर्यटन, शहरी मामले, जल संसाधन और स्वच्छता शामिल हैं।

राशिफल

मेष : किसी धार्मिक स्थल के दर्शन सुलभ होंगे। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। समय अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृष : कार्यस्थल पर सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

मिथुन : यात्रा से लाभ होगा। रुका हुआ धन प्राप्ति के योग हैं। नया कार्य प्रारंभ हो सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कर्क : वाणी पर नियंत्रण रखें। फालतू खर्च होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है।

सिंह : लाभदायक रहेगी। शत्रु पस्त होंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

कन्या : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। किसी तरह की बहस में हिस्सा न लें। नए मित्र बनेंगे।

तुला : पिछले समय की गई मेहनत का फल अब प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समाजसेवा करने का मन बनेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : कोई बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है। उत्साहहीनता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। दौड़धूप अधिक रहेगी। आय में कमी हो सकती है।

धनु : पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। संगीत आदि में रुचि रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मकर : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। व्यावसायिक मतभेद दूर होंगे।

कुंभ : दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी।

मीन : भावना में बहकर कोई निर्णय न लें। वरिष्ठजनों की सलाह जरूर लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक हानि हो सकती है।

चुटकुले

आज का ज्ञान
औरों का तो पता नहीं,
लेकिन उसका तो खुशियों से विश्वास ही उठ जाता है,
जिसकी पत्नी का नाम 'खुशी' हो।

सुबह-सुबह पत्नी ने कहा - जल्दी से न्यूजपेपर दो।
पत - तुम भी कितने पुराने ख्यालात की हो,
दुनिया कहां से कहां पहुंच गई और
तुम न्यूजपेपर मांग रही हो।
यह लो मेरा टैबलेट।
पत्नी ने टैबलेट लिया और कॉकरोच पर दे मारा।
अब पति सदमे में है।

एक नेताजी की गाड़ी पर प्लेट लगी थी, जिसपर लिखा था - हा. हु. प्र.
पुलिस वाले ने ड्राइवर से पूछा - कौन सी पार्टी के हैं नेताजी?
ड्राइवर - हारे हुए प्रत्याशी।

रोचक तथ्यों का करंट

- पादने से शरीर का ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता हैं।
- काले रंग के लोगो को कम दिल का दौरा पड़ता हैं।
- आप चौंक जायेंगे जब आप देखेंगे कि कोका कोला का इस्तेमाल टायलेट धोने में भी किया जा सकता है।
- आपके पेट में एक दुसरा दिमाग होता है जिसे एनट्रेरिक नर्वस सिस्टम कहते हैं। इसी से अंग्रेजी में अक्सर कही जाने वाली लाइन गट फीलिंग आती है।
- महिलाएं सामान्य तौर पर ऐसे सवाल पुछती हैं जिनके जवाब उन्हें पहले से पता होते हैं, इसलिये बेहतर होगा कि आप सच ही कह दें।
- ज्यादा सोचना एक किस्म की निराशा की तरफ बढता है और आप खुद को सामाजिक और भावनात्मक तौर पर अकेला पाते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया की खोज जेम्स कुक ने की थी।
- आप जिस लिफ्ट में हैं और वो नीचे गिर रही है तो आप लिफ्ट के बीच में लेटकर खुद को बचाएं।
- जब आप झूठ बोलते है आपकी नाक गर्म हो जाती है।
- अगर आप किसी को पहले से संदेश भेजते हैं तो 90 प्रतिशत संभावना है कि वो इंसान आप में रुचि नहीं रखता है।
- होमोसेक्सुएलिटी को स्वीडन में 1979 तक एकबीमारी समझा जाता था।
- बिल्लियां अपने चेहरे को अगर किसी चीज से घिसती हैं तो उसका मतलब है कि वो उसे अपनी चीज समझती हैं।
- अगर आप हेडफोन का एक घंटे तक इस्तेमाल करते हैं इसका मतलब होता है कि आपके कानों में बैक्टिरिया 700 गुना तक बढ गये हैं।

ब्रिटेन की मंत्री बोलीं चुनावों से पहले एफटीए संभव

किसी समयसीमा में बांधना मुश्किल

नई दिल्ली। बेडनॉख ने गुरुवार को थिंक टैंक चैथम हाउस में एक वैश्विक व्यापार सम्मेलन के दौरान जोर देकर कहा कि वह सिर्फ चुनाव से पहले एक व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौता सुनिश्चित करना चाहती हैं। बेडनॉख ने दावा किया, भारत अब भी संरक्षणवादी है जबकि हम बहुत, बहुत उदार हैं।भारत के साथ व्यापार समझौता होने की संभावना है लेकिन ब्रिटेन इसे किसी समयसीमा में नहीं बांधना चाहता। ब्रिटेन की वाणिज्य व व्यापार मंत्री केमी बेडनॉख ये बातें कही है। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए ब्रिटेन की प्रभारी मंत्री ने ब्रिटेन की उदारीकृत व्यवस्था की तुलना में भारत की 'संरक्षणवादी अर्थव्यवस्था' को लंबी चर्चा का एक कारण बताया।

बेडनॉख ने गुरुवार को थिंक टैंक चैथम हाउस में एक वैश्विक व्यापार सम्मेलन के दौरान जोर देकर कहा कि वह सिर्फ चुनाव से पहले एक व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौता सुनिश्चित करना चाहती हैं। बेडनॉख ने दावा किया, भारत अब भी संरक्षणवादी है जबकि हम बहुत, बहुत उदार हैं। मुझे सिर्फ एक तस्वीर लेने और आगे बढ़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह कुछ ऐसा होना चाहिए जो व्यावसायिक रूप से सार्थक हो। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि समझौता वैसा ही हो जैसा ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ हुआ। भारत के साथ वार्ता को अंतिम रूप देने की समयसीमा पर बेडनॉख ने कहा, हम वास्तव में भारत में होने वाले चुनाव से पहले एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। मुझे संदेह है कि जरूरी नहीं कि ऐसा ही हो क्योंकि मैं किसी भी चुनाव को समय सीमा के रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहती।ह उन्होंने कहा कि यह बहुत संभव है कि हम हस्ताक्षर कर सकते हैं लेकिन मैं इसे किसी समयसीमा में नहीं बांध रही हूं। भारत और ब्रिटेन 36 बिलियन पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिये जनवरी 2022 से मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच 13वें दौर की वार्ता पिछले साल 15 दिसंबर को संपन्न हुई थी।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ।जी ।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

09 03 2024

आज के जन्मदिन

करंट क्राइम परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जाकिर हुसैन
म्यूजिशियन

प्रिंसी

प्रतीक शर्मा

सुरेंद्र त्यागी

मोनू गुरु जी

मनोज शर्मा

नीरज कुमार

दीपक प्रजापति

मनस रंजन

राशिद खान

वैभव शर्मा

विरेन्द्र प्रताप त्यागी

अकरम चौधरी

असलम शाह

राहुल नागर

लक्ष्य त्यागी

नवीन कुमार

श्याम बिष्ट

विक्रांत त्यागी

कुलदीप शर्मा

वायुसेना की 4 इकाइयों को पहली बार प्रेसिडेंट्स स्टैंडर्ड ध्वज मिला

हिंडन एयरबेस पर राष्ट्रपति ने सलामी ली, हेलीकॉप्टर ने तिरंगा लहराया

चार इकाइयों को 'प्रेसिडेंट्स स्टैंडर्ड एंड कलर्स' से सम्मानित किया , मिग-17 और 129 हेलीकॉप्टर यूनिट ने आसमान में तिरंगा लहराया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आईएएफ के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब एक साथ चार इकाइयों को राष्ट्रपति ध्वज मिला। 'प्रेसिडेंट्स स्टैंडर्ड एंड कलर्स' किसी भी सशस्त्र बल इकाई के लिए सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। जिन 4 इकाइयों को सम्मानित किया गया, उसमें 45 स्क्वाड्रन, 221 स्क्वाड्रन, 11 बेस रिपेयर डिपो और 509 सिग्नल यूनिट शामिल हैं।

वायुसेना के वीरों का योगदान स्वर्णिम अक्षरों से अंकित: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, केवल जल-थल-नभ की रक्षा महत्वपूर्ण नहीं, साइबर स्पेस और लेबोरेट्री की सुरक्षा बेहद जरूरी है। भारतीय वायुसेना की चार यूनिट को एक साथ स्टैंडर्ड और कलर्स प्रदान करके इस ऐतिहासिक अवसर पर हिंडन एयरबेस आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। मैं चारों यूनिट्स के पूर्व और वर्तमान अधिकारियों व जवानों की देश सेवा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सराहना करती हूं।

देश की रक्षा में भारतीय वायुसेना का योगदान स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। इस सेना के वीरों ने 1948, 1965, 1971, 1998 के युद्धों में अदभुत साहस और समर्पण का परिचय दिया है। उन्होंने शांतिकाल के दौरान भी देश-विदेश में आपदा के समय राहत बचाव कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमारे वायु सैनिकों द्वारा प्रदर्शित कर्तव्यनिष्ठा सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। ये खुशी का विषय है कि भारतीय वायुसेना न केवल देश के एयर स्पेस की सुरक्षा कर रही है, बल्कि भारत स्पेस प्रोग्राम में भी अपना अहम योगदान दे रही है। वायुसेना के लिए ये खुशी की बात है कि जिन चार अंतरिक्ष यात्री का चयन इसरो के गगनयान मिशन के लिए किया गया है, वे सभी वायुसेना के अधिकारी हैं। इस तेजी से बदलते युग में रक्षा संबंधी जरूरतें और प्राथमिकताएं भी तेजी से बदल रही हैं। रक्षा क्षेत्र में भी टेक्नोलॉजी की भूमिका बढ़ती जा रही है। केवल जल-थल-नभ की रक्षा महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि साइबर स्पेस और लैबोरेटरी की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। मुझे खुशी है कि वायुसेना टेक्नोलॉजी अपना रही है।

■ स्क्वाड्रन-221 ने 1965 के युद्ध में छुड़ाए थे छक्के : 221 स्क्वाड्रन को 'बहादुर' के नाम से जाना जाता है। स्क्वाड्रन का इतिहास 14 फरवरी 1963 का है, जब इसे बैरकपुर में वैम्पायर विमानों से सुसज्जित किया गया था। इसके गठन के बमुश्किल दो साल बाद स्क्वाड्रन को 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान पूर्वी क्षेत्र में कार्रवाई के लिए लगाया गया, जहां इसने समग्र युद्ध छेड़ने के प्रयासों में सराहनीय योगदान दिया। अगस्त 1968 में ये स्क्वाड्रन र४-7 सुपरसोनिक फाइटर विमान से पुनः सुसज्जित होने वाले पहले स्क्वाड्रनों में से एक था। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान पूर्वी थिएटर में काम करते हुए स्क्वाड्रन ने कई मिशन चलाए।

कुमीटोला और तेजगांव एयरबेस पर कई पाकिस्तान वायुसेना के सैनिक हताहत हुए और पूर्वी क्षेत्र में पीएएफ को अप्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण साबित हुए। भारतीय वायुसेना के ये चार अधिकारी आज राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होंगे। सबसे बीच में एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर मार्शल पीएम सिन्हा खड़े हैं। भारतीय वायुसेना के ये चार अधिकारी आज राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होंगे। सबसे बीच में एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर मार्शल पीएम सिन्हा खड़े हैं।

■ - 45 स्क्वाड्रन ने दुश्मन देश के 10 टैंक किए थे ध्वस्त : 45 स्क्वाड्रन को 'फ्लाइंग डैगर्स' भी कहा जाता है। 1959 में वैम्पायर विमान के साथ स्थापित स्क्वाड्रन ने 1960 में पुर्तगाली शासन से गोवा की मुक्ति के लिए 'ऑपरेशन विजय' में भाग लिया। 1 अगस्त 1965 को पाकिस्तान ने छंब सेक्टर में हमला किया। 45 स्क्वाड्रन संघर्ष के पहले दिन आक्रामक मिशन शुरू करने वाली पहली कअऋ इकाई थी।

पुराने वैम्पायर को उड़ाने के बावजूद पायलटों का अदम्य साहस दुश्मन के कवच को रोकने के लिए पर्याप्त था। दुश्मनों के 10 टैंक ध्वस्त कर दिए गए। इसके बाद 'फ्लाइंग डैगर्स' ने भारतीय सेना के समर्थन में 178 उड़ानें भरीं। युद्ध के बाद यूनिट को मिग-21 एफएल लड़ाकू विमानों से फिर से सुसज्जित किया गया। 1971 के भारत-पाक युद्ध में यह यूनिट पंजाब और राजस्थान क्षेत्रों में तैनात थी, जिसने 258 मिशन उड़ाए। 1982 में इस यूनिट को मिग-21 बीआईएस विमान से सुसज्जित किया गया था।

■ 11 बेस रिपेयर डिपो में ओवरहाल हुए थे कई विमान : 11 बेस रिपेयर डिपो भारतीय वायुसेना का एकमात्र लड़ाकू विमान बेस रिपेयर डिपो है, जिसे अप्रैल 1974 में ओझर, नासिक में रखरखाव कमान के लिए तहत स्थापित किया गया था। र४-7 इसी डिपो द्वारा ओवरहाल किया जाने वाला पहला विमान था। बाद के वर्षों में मिग-21, मिग-23 और मिग-29 विमानों के वेरिएंट की ओवरहालिंग भी यहीं की गई।

■ - वायु रक्षा दिशा केंद्र के रूप में काम करती है 509 सिग्नल यूनिट : 509 सिग्नल यूनिट की स्थापना 1 मार्च 1965 को हुई थी। वर्तमान में यह मेघालय में वायु रक्षा दिशा केंद्र के रूप में कार्य कर रही है। यह इकाई 1995 से टीएचडी रडार के साथ काम कर रही है। यूनिट के इतिहास में महत्वपूर्ण क्षण 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध से जुड़े हैं, जिसमें 509 एसयू पूर्वी पाकिस्तान पर सभी वायु रक्षा गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरा था।

राष्ट्रपति का मानक सम्मान 45 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन एम सुरेंद्रन और 221 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन शुभांकन प्राप्त करेंगे। वहीं राष्ट्रपति रंग पुरस्कार 11 बेस रिपेयर डिपो के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर कमोडोर आशुतोष वैद्य और 509 सिग्नल यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक शर्मा प्राप्त करेंगे।

असाधारण सेवाओं के लिए मिलता है ये सम्मान

भारतीय वायुसेना के एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर मार्शल पीएम सिन्हा ने बताया, प्रेसिडेंट स्टैंडर्ड और ध्वज वायुसेना की किसी इकाई या स्क्वाड्रन को युद्ध और शांति दोनों स्थितियों के दौरान असाधारण सेवा के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार इन इकाइयों की परिचालन उत्कृष्टता, समर्पण और प्रमाणित योगदान की एक स्वीकृति भी है। प्रेसिडेंट स्टैंडर्ड 18 वर्ष और राष्ट्रपति ध्वज 25 वर्ष की सेवा के बाद प्रदान किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर भी हैं।

गाजियाबाद में कोरोना के 8 नए केस मिले

7 मरीज अस्पतालों में भर्ती, 25 लोग होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद में शुक्रवार को कोरोना के 8 नए केस मिले हैं। यहां अब एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 32 हो गई हा। इसमें 7 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं और 25 मरीज होम आइसोलेटेड हैं। जांच के दौरान हुई थी कोरोना की पुष्टि अर्थला निवासी एक व्यक्ति (48) के पिता को सांस की बीमारी थी।

वे एक हफ्ते पहले गंगाराम अस्पताल दिल्ली में भर्ती हुए। वहां उन्हें कोविड की पुष्टि हुई। जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों की निजी लैब पर कोरोना जांच कराई गई। जहां बीमार बुजुर्ग के बेटे को भी कोरोना की पुष्टि हुई है। साहिबाबाद में एक व्यक्ति हार्निया की बीमारी के चलते अस्पताल गाजियाबाद में दिखाने आया। उसकी रिपोर्ट में कोरोना की पुष्टि हुई है। कैला भट्टा की एक महिला (55) 2 मार्च से खांसी-जुकाम, बुखार से पीड़ित है। MMG हॉस्पिटल में भर्ती होने के दौरान हुई जांच में ये भी कोरोना संक्रमित पाई गई है। दिल्ली गेट गाजियाबाद का एक युवक (22) टीबी की शिकायत पर और राजनगर एक्सटेंशन में एक शख्स को खांसी-जुकाम की शिकायत पर टटऋहॉस्पिटल में आए थे। यहां उनकी कोरोना जांच हुई, जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉक्टर आरके गुप्ता ने बताया कि 84 सैंपल की जांच रिपोर्ट शुक्रवार को आई है। इसमें 8 पॉजिटिव और 78 सैंपल निगेटिव मिले हैं।

श्रीमद् भागवत कथा के समापन में कृष्ण सुदामा का मिलाप, उमड़ा जनसैलाब

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा कालोनी के आदर्श नगर वार्ड नम्बर 5 में लगातार आठ दिन से भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कथा वाचक रमन बापू भागवत कथा की सुन्दर प्रस्तुति दे रहे हैं।

उनका साथ राकेश पंडित जी ने कथा के समापन पर त्रुटि के लिए क्षमा मांगा। आज विशेष कृष्ण लीला एवं कृष्ण सुदाम का मिलाप देखते बनता था। भागवत कथा के आठवें दिन जनकल्याण हेतु स्थानीय लोग ने हवन पूजन किया।

भागवत कथा का आयोजन आदर्श नगर मदर डेयरी वाली गली के लोग मिलजुल कर रहे हैं जिसमें आज हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय वीर चौधरी एवं प्रदेश प्रवक्ता सामंत सेखरी का किया स्वागत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकदल के कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी के नेतृत्व में रालोद के नवनियुक्त राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी अजय वीर सिंह एडवोकेट व प्रदेश प्रवक्ता सामंत सेखरी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी ने कहा कि रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी ने जनपद गाज़ियाबाद के दोनों नेताओं को महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी दी है।

यह हम सब रालोद कार्यकताओं का सम्मान है। आशा है कि नवनियुक्त दोनों प्रवक्ता पार्टी की और अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की नीतियों का प्रचार प्रसार मजबूती से करेंगे। राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी अजय वीर सिंह एडवोकेट ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने हमें जो महत्वपूर्ण भूमिका दी है उसे पूरी निष्ठा व मेहनत से निभाने का प्रयास किया जायेगा। प्रदेश प्रवक्ता सामंत सेखरी ने कहा कि जल्द ही लोकसभा चुनावों की घोषणा होने वाली है। रालोद के सभी कार्यकर्ता अभी से कमर कस लेंऔर पूरे प्रदेश में एन डी ए के प्रत्याशियों को भारी वोटों से जिता कर लोकसभा में भेजने का काम करेंगे। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी, प्रदेश सचिव ओ डी त्यागी, युवा ज़िलाध्यक्ष जय दीप चौधरी, भूपेन्द्र तेवतिया बोबी, अशोक तेवतिया, राकी चौधरी, सत्येन्द्र तोमर, राजीव तालान , राम भरोसे मोर्या, हिंडन पार अध्यक्ष सुधीर तोमर आदि नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

विधवा से किया सामूहिक दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी विधवा महिला को जंगल ले जाकर प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर महिला को मारपीट कर घायल कर दिया। एक सप्ताह तक थाने के चक्कर काटने के बाद महिला की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बिहार निवासी एक महिला अपनी दो पुत्रियों के साथ नगर की एक कॉलोनी में किराए के मकान में रहती है। महिला के पति की काफी समय पहले मौत हो चुकी है और वह मजदूरी करके परिवार का लालन पालन करती है। महिला ने बताया कि दो साल पहले कॉलोनी के रहने वाले एक युवक से उसकी मुलाकात हुई। युवक ने शादी करने की बात कहीं और संबंध बना लिए। वह शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करता रहा। एक माह पहले प्रेमी महिला को घुमाने की बात कहकर रावली सुराना मार्ग पर काकड़ा के जंगल में ले गया। आरोप है कि वहां पर प्रेमी ने दुष्कर्म किया और इसी बीच उसका दोस्त भी आ गया। इसके बाद प्रेमी के दोस्त ने भी महिला के साथ दुष्कर्म किया। जब महिला ने इसका विरोध तो मारपीट कर घायल कर दिया। दुष्कर्म करने के बाद महिला को जंगल में ही छोड़कर आ गए। किसी तरह महिला अपने घर पहुंची। महिला चामुंडा पुलिस चौकी पहुंची और तहरीर दी। पुलिस ने कार्रवाई की बात कहकर महिला को टरका दिया। इसके बाद फिर महिला थाने पहुंची और तहरीर दी। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपी दिव्यांग है।

उधार दिये पैसे मांगे तो युवक को किया घायल

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र के गांव रावली कलां में उधार दिए तीस हजार रुपए मांगने पर युवक को मारपीट कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रावली कलां निवासी समीर परिवार सहित रहते है। उन्होने बताया कि तीस हजार रुपए उधार दिए थे। एक माह बीत जाने के बाद समीर ने उक्त व्यक्ति से उधार दिए पैसे वापस मांगे। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कनपटी पर तमंचा व गले पर चाकू लगाकर पैसे मांगने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है। विरोध करने पर मारपीट कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। पीड़ित ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है।

दंबगों ने किशोरी के साथ किया दुष्कर्म का प्रयास

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर दंबगों ने किशोरी के घर पर जमकर पत्थर बरसाए। महिला ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगर की एक कॉलोनी निवासी एक महिला परिवार सहित रहती है। महिला ने बताया कि गुरुवार रात को वह अपनी पुत्री के साथ घर के अंदर सो रही थी। आरोप है कि देर रात बारह बजे के आसपास कई युवक जबरदस्ती घर के अंदर आ गए। आरोप है कि युवकों ने महिला की पुत्री के साथ अश्लील हरकत करनी शुरू कर दी। जब इसका विरोध किया तो उन्होने किशोरी के कपड़े तक फाड़ डाले। इतना ही नहीं किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का भी प्रयास किया। विरोध करने पर दंबगों ने किशोरी के घर पर काफी देर पत्थर बरसाए। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। महिला ने थाने में तहरीर दी है।

आईटीएस में ग्लो एंड ग्रो-प्रीमियम स्किन एंड हेयर क्लीनिक का किया उद्घाटन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में स्थित आईटीएस स्पेशलिटी डेन्टल क्लीनिक में ग्लो एंड ग्रो-प्रीमियम स्किन एंड हेयर क्लीनिक की शुरूआत की गयी। ग्लो एंड ग्रो क्लीनिक के द्वारा मरीजों को न्यूनतम प्रतीक्षा समय के साथ विश्व स्तरीय फेशियल एस्थेटिक्स एंड हेयर के सभी प्रकार के उपचार प्रदान किये जायेंगे। इस क्लीनिक का उद्घाटन प्रोफेशनल आर्टिस्ट, मिस नसरीन शगुफ्ता, सेलिब्रिटी फिटनेस कोच एंड टैड-एक्स स्पीकर, मिस मीनल भारद्वाज पाठक एवं राष्ट्रीय स्तरीय खिलाड़ी, मिस संचिता तिवारी के कर कमलों द्वारा किया गया।

डिपार्टमेंट की हैड, डॉ. उर्वशी वर्मा द्वारा बताया गया कि इस क्लीनिक में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा एक ही जगह पर विभिन्न उपचार की सुविधा प्रदान की जायेगी, जिसके द्वारा मरीजों को प्राथमिकता पर जल्दी और बेहतर उपचार मिलेगा। अतिथियों ने इस क्लीनिक की सुविधाओं एवं उन्नत उपचार प्रणालियों को देखते हुए आईटीएस डेन्टल कॉलेज के प्रयासों की प्रशंसा की।

क्लीनिक के उद्घाटन के दौरान आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप को चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, सेक्रेट्री भूषण कुमार अरोड़ा, डायरेक्टर-पीआर सुरिन्द्र सूद तथा संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ. देवी चरण शेट्टी सहित सभी दंत विभागों के एचओडी भी उपस्थित रहे।

संस्कार कॉलेज में मेडिकल कोडिंग पर कार्यशाला

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। संस्कार कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च ने जीनस हेल्थकेयर सॉल्यूशन और आईटी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से मेडिकल कोडिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान विकास माहेश्वरी, प्रबंध निदेशक-जीनस हेल्थकेयर ने हेल्थकेयर सिस्टम में मेडिकल कोडिंग के महत्व को समझाया और केस स्टडीज के साथ इसे विस्तार से बताया। हंस राज ने बताया कि अमेरिका में हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करने के लिए मेडिकल कोडिंग लागू की गई है। उन्होंने यूएस हेल्थकेयर मेडिकल कोडर के लिए सीपीसी और सीसीएस परीक्षा के बारे में भी चर्चा की।

शोभित मलिक ने छात्रों को मूल्यांकन और प्रबंधन कोडिंग (ई एंड एम कोडिंग) पर प्रशिक्षित किया। उन्होंने छात्रों को केस स्टडी के उदाहरणों के माध्यम से कोड कैसे देना है और मेडिकल, सर्जिकल और डायग्नोस्टिक सेवाओं को ट्रैक और बिल करने के लिए सीपीटी कोड का उपयोग कैसे किया जाता है, इसके बारे में मार्गदर्शन किया। उन्होंने यह भी प्रदर्शित किया कि औद्योगिक स्तर पर कोडिंग कैसे की जाती है। इस कार्यशाला में बी.फार्म तृतीय वर्ष और चतुर्थ वर्ष के सभी छात्रों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया और उन्हें मेडिकल कोडिंग में उपयोग की जाने वाली विभिन्न शब्दावली सीखने का अवसर मिला। कार्यशाला के समापन के बाद, छात्रों का मूल्यांकन किया गया और समापन समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यशाला के दौरान हिमानी सिंघल को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार दिया गया।

संस्कार एजुकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष कुश अग्रवाल, सचिव लव अग्रवाल, निदेशक डॉ. बबीता कुमार, एचओडी- डॉ. शबनम ऐन और डॉ. अनुराधा सिंह ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए. कार्यक्रम का आयोजन डॉ. कुर्रतुल ऐन और अक्षू राठी द्वारा किया गया।

अमरनाथ शिव शक्ति सेवा ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अमरनाथ शिव शक्ति सेवा ट्रस्ट की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें ट्रस्ट के प्रमुख सहयोगी शामिल हुए। ट्रस्ट के संरक्षक हरीश मल्होत्रा ने बताया कि इस बार अमरनाथ यात्रा 10 मई से शुरू होगी। ट्रस्ट की ओर से सीतापुर पार्किंग में भंडारा किया जायेगा। बैठक में ट्रस्ट के सेवक कुलदीप शर्मा, बलदेव मल्होत्रा संरक्षक, ब्रह्म प्रकाश उपप्रधान, किशन पाल उपप्रधान, नरेश मुख्य सचिव, महेश सेन सचिव व अन्य सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे और हरीश मल्होत्रा को मोमेंटो से सम्मानित भी किया।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में जलाभिषेक के लिए लगा भक्तों का तांता

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र स्थित हिंडन नदी के किनारे प्राचीन दुधेश्वर महादेव मन्दिर, सुराना गाँव में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सुबह से ही शिव भक्तों की जलाभिषेक करने के लिए कतार लगने लगी। हरिद्वार से कांवड़ में जल लेकर आए कावड़ियों ने भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक किया। अ. भा. परशुराम सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. विनोद कुमार मिश्रा ने दूध, दही, शहद, गंगाजल , बेलपत्र, धतूरा, फल आदि से भोले शंकर का जलाभिषेक किया तथा परिवार सहित विधिविधान से पूजा अर्चना की। नगर क्षेत्र के शिवालयों राधाकृष्ण बड़ा मन्दिर, सरना वाली गली, छोटा मन्दिर, काली गली प्राचीन शिव मंदिर, विजय मंडी शिव मंदिर, सरना शिव मंदिर, गंगनहर प्राचीन शनि मंदिर व शिव मंदिर, जीतपुर शिव मंदिर, बस स्टैंड शिव मंदिर, डिफेंस कॉलोनी गंगा विहार शिव मंदिर, ओ एफ एम ऑर्डिनेन्स फैक्टरी शिव मंदिर, असालत नगर हनुमान मंदिर व शिव मंदिर आदि शिवालयों में सुबह से ही कतार लगाकर शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया एवं पूजा अर्चना की। इस मौके पर महेश गर्ग, प्रमोद कौशिक, बॉबी पंडित, विजय गोड़, तरुण कौशिक, सोमदत्त, यति,ओमकार दत्त, सचिन, प्रवीन शर्मा, पंकज शर्मा, सोनल शर्मा, मोनिका, मीनम मिश्रा, डॉ सानिया शर्मा आदि गणमान्यजनों ने अपने -अपने क्षेत्र के शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।

कैप्टन स्वर्गीय बलबीर सिंह की 5वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शुक्रवार को गोविन्पुरम स्थित कनक फार्म हाऊस में वरिष्ठ पत्रकार पिंटू तोमर के पिता कैप्टन स्वर्गीय बलबीर सिंह की 5वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धाजंलि सभा में शहर के गणमान्य लोगों, राजनेताओं और मीडिया जगत से जुड़े पत्रकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मंदिर के पास ये चर्चा दौड़ी सरपट किस के गाल पर लग गया रहपट

वैसे तो सिविल वाले डिफेंस ही करते हैं और कांवड़ यात्रा से लेकर महाशिवरात्रि में पुलिस प्रशासन के साथ कदम ताल करते हैं। लेकिन इस बार कुछ टयूनिंग एरर हो गया और फिर कुछ ऐसा हुया कि डयूटी दे रहे सिविल डिफेंस वालों में ही टेरर हो गया मंदिर के पास ये चर्चा दौड़ी सरपट कि कौन से झा के कौन से गाल पर पुलिस का ही रहपट लग गया। पुलिस के बड़े अफसर मंदिर परिसर में व्यवस्था का जायजा लेने आये थे। उन्होने सिविल डिफेंस वालों को देखकर पूछा कि आप लोगो को किसने यह काम करने के लिये कहा है। किसने आप की यहां पर डयूटी लगाई है। अफसर ने कहा कागजात दिखाओ,डयूटी करने के आदेश दिखाओ। जब सिविल वाले कुछ नही दिखा पाये तो पुलिस अफसर ने उनसे साफ कह दिया कि अपने घर जाओ। अभी ये चल ही रहा था कि पता चला कि गेट पर सिविल डिफेंस वाली मैडम और मिस्टर को रोक लिया गया है। यहां पर सिविल वालों की वर्दी वालों से जुबानी तकरार हो गई और बाहर ये खबर दौड़ती हुई आई सरपट कि सिविल वालों के गाल पर लग गया है पुलिस का रहपट। बताया ये भी जाता है कि महा शिवरात्री के दिन जिनके गाल पर रहपट लगा है उनकी पूर्व में भी पुलिसिया खातिरदारी हो चुकी है। अब सिविल वाले भी एलान कर रहे हैं कि वो बिना मतलब में पुलिस प्रशासन की ये वाली पल्लेदारी तो नही ही करेगें।

स्टोरी में आ गया है टवीस्ट अब बदल जायेगी चीफ गेस्ट वाली लिस्ट

सियासत चीज ही ऐसी है कि यहां दिन बदलते हैं तो नीम पे आम आने लगते है जो नमस्ते का जवाब नही देते थे वो राम राम करने लगते हैं। होली मिलन समारोह में चीफ गेस्ट के जरिये भी रिलेशन मेंटेन होते हैं। विधायकों से नाराज दुकानदारों ने कह दिया कि होली मिलन तो मनायेगें पर तुम्हे नही बुलायेगें। एक जनप्रतिनिधि का ओहदा ऐसा है कि गली के चार पत्थरों के नारियल फोड़ने से लेकर स्कूल के फक्शन के कॉमन चीफ गेस्ट में उनका नाम रख लिया जाता है। वो सरकार में तो हैं लेकिन व्यवहार के चलते न्यौते वालों ने उनसे डिस्टेंस ही नाप रखा है। इस बार दीदी की डिमांड प्रथम वरीयता में थी और रनरअप में भगवा कमांडर थे। लेकिन कहानी में मोड़ आ गया और कार्ड छपवाने गया कोई चीफ गेस्ट का नाम खाली छोड़ कर आ गया। हैवीवेट वाले तो कैबीनेट हो गये तो नबंर वन डिमांड में आ गये। अगर सगंठन वाले राष्ट्रीय ठाकुर या मिनिस्ट्री वाले लाला आ गये तो फिर से बदलाव होगा। सबसे रोचक सवाल तो प्रिंटिग वाले ने पूछ लिया। उसने पूछा कि चीफ गेस्ट में मंत्री जी विशिष्ट में कमांडर तो क्या सामान्य अतिथि में दीदी का नाम होगा। जो भी हो टाईम से बता देना क्योंकि तुम्हारे चीफ गेस्ट के चक्कर में ही प्रिंटिग का काम होल्ड है। बता देना कौन सा नाम बोल्ड छापना है

वो पिये हुये हैं वाटर ऑफ मैनी घाट तो आसानी से नही रखने देगें हाथ

नदियापार वाले हैवीवेट अब सरकार में माननीय कैबिनेट हो गये हैं। वो यूपी गेट से आये तो कई ऐसे चेहरे भी वैलकम में आये जो पहले कभी दिखाई नही दिये। भगवा गढ़ में वैसे तो ये कोई नई बात नही है जब बिहार वाले सिन्हा जी का नाम सीएम के लिये चर्चा में आया था तो इधर के कई त्यागी जी के वो रिश्तेदार हो गये थे। कहने वाले ने कहा कि अभी तो आप देखना कि उनकी बिरादरी वाले भी वैलकम करने आयेगें। तब फूल वाले लीडर ने कूल अंदाज में कहा कि उन्हे इन द एयर ही चाणक्य नही कहा जाता है। वो अपने लोगो की पूरी केयर भी करते हैं और मौकापरस्त लोगो से निबटने के पूरे अभ्यस्त भी हैं। वो अनुभवों की नदी के कई घाट का पानी हो चुके हैं। इतनी आसानी से तो वो किसी को भी हाथ नही रखने देगें।

किस थाने के बाहर हुई खाकी वालों में बहस

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में सिटी जोन में एक थाने के बाहर खाकी वालों के बीच ही कहासुनी का मामला सामने आया है। सूत्र बता रहे हैं सिटी वाले थानाक्षेत्र में लाइन पर के थाने के बाहर क्राइम ब्रांच और एसओजी वालों में पुलिस की दबिश को लेकर कुछ बात हो गई थी। इस दौरान दो टू-स्टार और वर्दीधारियों के बीच कुछ कहासुन भी देखी गई। वही कहासुनी बढ़ती देख पुलिसकर्मी अपने-अपने वाहनों में सवार हो गए। सूत्रों ने बताया है कि पूरा मामला राजधानी जाकर एक दबिश के मामले का था। जिसमें कुछ पुलिसकर्मी रात को चलने की सलाह कर रहे थे ,तो कुछ दिन में ही दबिश डालने पर उतारू थे। इसी बीच टू-स्टार और कुछ पुलिसकर्मियों के बीच कहासुनी हो गई, जो तगड़ी नोंकझोंक में बदल गइ थी। दरअसल पूरा मामला थाने के मुख्य गेट पर ही हो रही थी इसी लिए बाहर का जो सीन हुआ उसे कई लोगों ने भी देखा। हालांकि अधिकांश पुलिसकर्मी साधे कपड़ों में थे और दो गाड़ियों में सवार थे। पुलिस कमिश्नरेट वाला सीन बता रहा है कि सिटी के एक थाने में कैंटर चोरी से जुड़ा मामला हो सकता है। आजकल सिटी की टीमें इसके खुलासे के लिए लगी हुई है। इसी के साथ सुनने में आ रहा है कि थाने वाली टीम अपने काम में परफेकटली लगी हुई है जल्द ही पूर्व में हुई इस घटना का खुलासा भी संभव बताया जा रहा है। उधर सूत्र बता रहे हैं कि चौकी वाले टू-स्टार दबिश के लिए सेफ गेम खेलना चाहते थे जबकि क्राइम वाले हर हाल में बरामदगी और गेम फिनिश को लेकर रणनीति बनाते देखे गए थे। वहीं सुनने में आ रहा है कि दबिश देने टीम दूसरी राजधानी में जा रहे थे, इसी बात को लेकर वर्दी वालों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों के बीच कुछ कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद गर्माहट वाला सीन हो गया था। बताया जा रहा है कि हालांकि बाद में थाने के प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों ने मिल बैठकर पूरे मामले को शांत और सुलझा दिया था। वहीं थाने के गेट पर जो सीन हुआ वह कई जगह पहुंच गया बताया जा रहा है। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि इस मामले में सिटी वाली पुलिस जल्द ही एक बड़ा खुलासा भी कर सकती है, जो काफी अहम रहने वाला है।

नगर निगम द्वारा गंगाजल, प्रकाश एवं सफाई व्यवस्थाओं पर रखी गई बारीक नजर

शिवरात्रि पर जलाभिषेक के लिए मंदिरों में उमड़ी भीड़, भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने दुधेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। देर रात से श्रद्धालु कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। प्रशासन ने मंदिर के आस-पास सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा सीसीटीवी कैमरों से व्यवस्था पर नजर रखी। इस बार दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए मंदिर की तरफ से विशेष प्रबंध किए। शिवरात्रि पर्व पर नगर निगम के व्यवस्थायें भी सुचारू रूप से की गईं। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर निगम अधिकारी टीम सहित व्यवस्था में जुटे दिखाई दिए। शहर में शिवरात्रि पूरी धूमधाम से मनाई गई। शिवालयों के बाहर श्रद्धालुओं की भारी संख्या रही। जिसको व्यवस्थित करने के लिए कई सामाजिक संस्थाएं तथा अन्य विभाग लगे हुए थे। इसी क्रम में नगर निगम के अधिकारी भी अपनी व्यवस्था में लगे हुए थे। नगर निगम द्वारा जल व प्रकाश की व्यवस्था, सफाई की व्यवस्था, बेरीकेडिंग की व्यवस्था, मंदिरों से निकलने वाली पूजा सामग्री के निस्तारण की व्यवस्था कराई गई।

अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव द्वारा बताया गया कि शिवरात्रि पर नगर निगम टीम द्वारा मंदिरों के बाहर व्यवस्था को बनाए रखा गया जिसमें जोनवार जोनल प्रभारी अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए डटे रहे। निर्माण तथा जलकल विभाग के अधिकारी भी व्यवस्था में लग रहे और स्वास्थ्य विभाग, प्रकाश विभाग की टीम द्वारा भी मंदिरों के बाहर व्यवस्था बनाए रखी गई।

देर रात से मंदिरों में लगनी लगी लंबी कतारें

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालयों में सुबह से भक्तों का आना शुरू हो चुका था। मंदिर पहुंच रहे भक्तों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल रहे। सभी अपने इष्ट देवता भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर में बम-बम भोले और जय भोलेनाथ के उद्घोष से मंदिरों का पूरा वातावरण शिवमय हो गया।

दूधेश्वर मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग हुए थे प्रकट

मान्यता है कि गाजियाबाद के प्राचीन दूधेश्वर नाथ मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग प्रकट हुए थे। गाजियाबाद ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी भोलेनाथ के भक्त यहां अपने इष्टदेव की पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर बड़ी संख्या में जलाभिषेक करने पहुंचे थे। इस बार दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए मंदिर की तरफ से विशेष प्रबंध किए गए। दिव्यांगजन श्रद्धालुओं के लिए अलग से लेन बनाई गई।

78 मंदिरों में विशेष सुरक्षा के इंतजाम

करंट क्राइम। इसके अलावा शहर के अन्य शिव मंदिरों में भी जलाभिषेक किया गया। पुलिस कमिश्नररेट द्वारा शहर के अनेक मंदिरों में विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए गए। इस दौरान मंदिरों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया। विशेष रूप से सीसीटीवी कैमरा के जरिए नजर रखी गई। दूधेश्वर नाथ मंदिर में 100 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। मंदिर की सुरक्षा के लिए एक कंट्रोल रूम बनाकर सीसीटीवी कैमरों के जरिए सारी व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग की जा रही थी।

दंबगों ने गर्भवती महिला के ऊपर चढ़ाई बुग्गी, अस्पताल में भर्ती

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र के गांव रावली कलां में रोडरेज को लेकर हुए विवाद में गर्भवती महिला के पेट पर बुग्गी का पहिया चढ़ा दिया। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रावली कलां निवासी बबलू कुमार परिवार सहित रहते है। उनकी पत्नी ज्योति आठ माह की गर्भवती है। शुक्रवार सुबह बबलू अपनी पत्नी को डॉक्टर को दिखाने के लिए बाइक से मुरादनगर जा रहे थे। जब वह बीच रास्ते पर पहुंचे तो अचानक बुग्गी आ गई। बबलू ने बुग्गी हटाने को कहा तो विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट हो गई। जब बीच बचाव करने महिला पहुंची तो उन्हें धक्का देकर नीचे गिरा दिया। आरोप है कि दंबग महिला के पेट से बुग्गी चढ़ाकर ले गया। जिस कारण महिला की हालात बिगड़ गई।

न्यूज डायरी

अमेरिका और भारत ने जताई प्रतिबद्धता, कहा- क्वाड आतंकवाद विरोधी कार्य समूह में करेंगे सहयोग

वॉशिंगटन। अमेरिका और भारत ने स्वतंत्र व खुले हिंद-प्रशांत को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन करते हुए क्षेत्र के भीतर साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए क्वाड आतंकवाद रोधी कार्य समूह और अन्य बहुपक्षीय मंचों में सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दोनों पक्षों ने विभिन्न आतंकवादी संगठनों/समूहों और व्यक्तियों को नामित करने की प्रक्रियाओं के बारे में भी जानकारी का आदान-प्रदान किया। स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन बयान में कहा गया, अमेरिका और भारत ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन किया, जो समावेशी और लचीला है। साथ ही क्षेत्र के भीतर साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए क्वाड आतंकवाद रोधी कार्य समूह और अन्य बहुपक्षीय मंच जैसे संयुक्त राष्ट्र, वैश्विक आतंकवाद रोधी मंच और वित्तीय कार्रवाई कार्य बल जैसी प्रक्रियाओं में सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पांच मार्च को हुई थी बैठक अमेरिका और भारत के बीच वाशिंगटन में पांच मार्च को यूएस-इंडिया काउंटर टेररिज्म ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप की 20वीं बैठक हुई। यहां अमेरिकी विदेश मंत्रालय में आतंकवाद रोधी समन्वयक राजदूत एलिजाबेथ रिचर्ड और केंद्रीय विदेश मंत्रालय में आतंकवाद निरोध के संयुक्त सचिव राजदूत के डी देवल ने अपने-अपने अंतर-एजेंसी प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया। दोनों देशों ने अमेरिका-भारत वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी के स्थायित्व पर जोर दिया। साथ ही आतंकवाद का मुकाबला करने और क्षेत्रीय सुरक्षा को उनके व्यापक द्विपक्षीय सहयोग के अभिन्न अंग के रूप में बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराया। आतंकवाद शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बयान में कहा, 'दोनों पक्षों ने दोहराया कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। आतंकवाद का मुकाबला अमेरिकियों, भारतीयों और वैश्विक नागरिकों के लिए समृद्धि और शांति सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण तत्व है।' आगे कहा गया, दोनों देशों के विभिन्न विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों की भागीदारी से पता चलता है कि अमेरिका और भारत मानते हैं कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए समावेशी और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। यह दृष्टिकोण उपयोगी जानकारी साझा करने और दोनों देशों में सुरक्षा, स्थिरता तथा विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए हमारी एजेंसियों के बीच द्विपक्षीय समन्वय पर निर्भर करता है।

दो साल के इंतजार के बाद नाटो में हुई स्वीडन की एंट्री, 32वां सदस्य बना, क्या रूस अब फंस गया है?

ब्रुसेल्स। गुरुवार को स्वीडन, नाटो का 32वां सदस्य देश बन गया। इसके साथ ही करीब दो दशकों तक गुट निरपेक्ष रहा स्वीडन नाटो के गुट में शामिल हो गया है। स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टरसन ने देश के नाटो में शामिल होने को स्वतंत्रता की जीत बताया। उन्होंने कहा कि 'स्वीडन ने लोकतांत्रिक तरीके से, निष्पक्ष, संप्रभु और एकमत होकर नाटो में शामिल होने का फैसला किया है।' एक कार्यक्रम के दौरान स्वीडिश पीएम ने ये बात कही और इस दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी मौजूद रहे। 'स्वीडन को भी अब सुरक्षा की गारंटी मिलेगी' स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर, नाटो के सचिव जनरल जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने बयान जारी कर कहा कि 'यह एक ऐतिहासिक दिन है। स्वीडन को अब नाटो में एक अधिकारपूर्वक जगह मिलेगी और उसकी बात का भी नाटो की नीतियों और फैसलों में ध्यान रखा जाएगा।' उन्होंने कहा कि '200 वर्षों ज्यादा समय तक गुट निरपेक्ष रहने के बाद स्वीडन को भी अब अनुच्छेद 5 के तहत सुरक्षा की गारंटी मिलेगी।' गुरुवार को स्वीडन सरकार की एक विशेष बैठक हुई और इस बैठक के बाद स्वीडन के नाटो में शामिल होने का एलान किया गया। स्वीडन के नाटो का सदस्य बनने के बाद अब ब्रुसेल्स में नाटो मुख्यालय के बाहर इसका झंडा भी दिखना शुरू हो जाएगा। रूस को बढ़ेगी परेशानी रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही रूस का पड़ोसी देश स्वीडन और फिनलैंड नाटो का सदस्य बनने की कोशिश कर रहा था। फिनलैंड बीते साल नाटो का सदस्य बन गया था और अब स्वीडन की भी नाटो में एंट्री हो गई है। इसका मतलब ये है कि रूस को छोड़कर बाल्टिक सागर से घिरे सारे देश अब नाटो का हिस्सा बन गए हैं। यह रूस के लिए झटका है। रूस ने भी स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर बयान जारी कर कहा है कि वह भी इसके जवाब में कदम उठाएगा और अगर स्वीडन में नाटो के सैनिकों की तैनाती होती है तो रूस भी इसके खिलाफ कदम उठाएगा। रूस ने जिस तरह से यूक्रेन पर हमला किया, उसके बाद से ही फिनलैंड और स्वीडन रूस के खिलाफ अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। हालांकि स्वीडन को नाटो में शामिल करने के खिलाफ तुर्किए ने मोर्चा खोला हुआ था। तुर्किए स्वीडन में कथित तौर पर शरण लिए हुए कुर्दिश उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा था। साथ ही स्वीडन में इस्लाम के खिलाफ होने वाले विरोध प्रदर्शनों से भी नाराज था। हालांकि अमेरिका ने तुर्किए को मनाया और आखिरकार स्वीडन की नाटो में एंट्री हो सकी। स्वीडन की नाटो में एंट्री का समर्थन देने के लिए तुर्किए को अमेरिका से 23 अरब डॉलर की फाइटर जेट की डील हासिल हुई।

यूक्रेन के पूर्व सेना प्रमुख वलेरी जालुज्नी बनेंगे यूके में कीव के नए राजदूत

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच दो साल से अधिक समय से जंग जारी है। दोनों ही पक्ष हार मानने को तैयार नहीं हैं। इस बीच यूक्रेन में सियासी उठा-पटक काफी देखने को मिल रहे हैं। वलेरी जालुज्नी को करीब एक महीने पहले ही देश के शीर्ष सैन्य कमांडर के पद से हटाया था। अब उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उन्हें ब्रिटेन के नए राजदूत के रूप में नामित किया है। ब्रिटिश को अनुरोध भेजा विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा, 'यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने समझौते के लिए ब्रिटेन को अनुरोध भेजा है।' करीब एक साल से कोई राजदूत नहीं बता दें, पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पूर्व दूत वेदम प्रास्टाइको को नेता की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के बाद बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद से ब्रिटेन में कीव का कोई राजदूत नहीं है। इसलिए हटाया था सेना प्रमुख के पद से जालुज्नी को देश की मीडिया आयरन जनरल कहती है। रूस के साथ युद्ध की शुरुआत हुई, तभी कुछ समय बाद यूक्रेन की सेना की कमान वलेरी जालुज्नी को सौंप दी गई थी। उन्होंने शुरुआती दौर में एक आक्रमण बल को सफलतापूर्वक खदेड़ दिया था। हालांकि, पिछली गर्मियों में जेलेंस्की के साथ एक सार्वजनिक असहमति ने उनके पद को नुकसान पहुंचाया। जेलेंस्की नेहाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि सेना का नेतृत्व बदलने का समय आ गया है। इसके बाद ओलेक्जेंडर सिरस्की को सेना का प्रमुख बना दिया था। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आठ फरवरी 2024 को सेना प्रमुख जनरल वलेरी को पद से हटा दिया था। पिछले कुछ हफ्तों से वलेरी (50) के खिलाफ कार्रवाई की अटकलें थीं। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने फेसबुक पोस्ट में बताया था कि आज यूक्रेन के सशस्त्र बलों के नेतृत्व को बदलने का निर्णय लिया गया। युद्ध की स्थिति एक जैसी नहीं रहती। युद्ध बदलता है और इसके लिए बदलाव की जरूरत होती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सेना प्रमुख को बदलने का फैसला ऐसे समय पर लिया था, जब रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को कई संकटों का सामना करना पड़ रहा है। बदलना चाहिए था देश का सैन्य दृष्टिकोण रिपोर्ट के अनुसार, रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के करीब दो साल बाद जालुज्नी ने भी यह माना कि देश का सैन्य दृष्टिकोण बदलना चाहिए। हालांकि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वलेरी जालुज्नी को अब ब्रिटेन में अपना राजदूत बनाने का फैसला लिया है। ब्रिटेन में नए दूत के रूप में वलेरी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब ब्रिटेन के रक्षा सचिव ग्रांट शाप्स ने गुरुवार को कीव की यात्रा की थी।

पीएम शरीफ बोले- जरदारी पाकिस्तान के राष्ट्रपति बनेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री पद की रस्साकस्सी के बाद अब राष्ट्रपति पद के लिए चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति पद के लिए आसिफ अली जरदारी का नाम सुझाया है। उनका कहना है कि जरदारी अगर राष्ट्रपति बनेंगे तो दोनों के बीच मजबूत समन्वय होगा। सहयोगी दलों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज कार्यक्रम में शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ही पाकिस्तान के राष्ट्रपति बनेंगे। अर्थव्यवस्था पर जताई चिंता कार्यक्रम में शरीफ ने पाकिस्तान की समस्याओं की तुलना हिमालय से की। हालांकि, उनका कहना है कि अगर मजबूत प्रतिबद्धता और ईमानदारी हो तो इन समस्याओं को दूर किया जा सकता है। उन्होंने अर्थव्यवस्था पर चिंता भी जाहिर की। शरीफ ने कहा कि गैस और बिजली संबंधित सर्कुलर ऋण की राशि पांच ट्रिलियन रुपए है। वहीं, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस पर 825 अरब रुपये का बकाया है। वहीं, बिजली चोरी 500 अरब रुपये तक पहुंच गई है।

'अगर सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश को यूएन से बाहर रखा गया तो...', निक्केई फोरम में बोले जयशंकर

टोक्यो। भारतीय विदेश मंत्री जापान दौरे पर हैं। एस जयशंकर शुक्रवार को निक्केई फोरम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अगर दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश और कुछ बड़े संसाधन मुहैया कराने वालों को संयुक्त राष्ट्र से बाहर रखा जाता है तो यह सयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए अच्छा नहीं होगा। भारत-जापान विशेष रणनीतिक साझेदारी पर जयशंकर ने कहा कि परिषद में भारत और जापान को वैसा ही स्थान देने की जरूरत है, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, 'अगर दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश और कुछ बड़े संसाधन मुहैया कराने वालों को संयुक्त राष्ट्र से बाहर रखा जाता है तो यह संगठन के लिए अच्छा नहीं होगा। इसलिए हम चाहते हैं कि इसका जल्दी अहसास हो।' संयुक्त राष्ट्र में बदलाव की जरूरत

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर छह से आठ मार्च तक जापान दौरे पर हैं। वह अपने जापानी समकक्ष योको कामिकावा के साथ 16वीं भारत-जापान विदेश मंत्री रणनीतिक वार्ता के लिए यहां पहुंचे हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की जब स्थापना हुई थी, तब करीब 50 सदस्य देश थे। जबकि आज 200 सदस्य देश हैं। इसलिए अधिकतर इस बात को समझते हैं कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार की बहुत आवश्यकता है। चार गुना सदस्य बढ़े

उन्होंने कहा, 'अगर किसी संगठन में चार गुना सदस्य बढ़ जाते हैं तो उस संगठन का नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता समान नहीं रह सकती है।' उन्होंने आगे कहा कि आज दुनियाभर में कई जरूरी मुद्दे हैं, लेकिन इनमें संयुक्त राष्ट्र वह भूमिका नहीं निभा रहा है जो इसे निभानी चाहिए। पहले भी हो चुका है बदलाव जयशंकर ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा परिषद में पहले भी बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले कभी बदलाव नहीं हुए। यहां बदलाव हो चुका है। सुरक्षा परिषद का एक बार विस्तार किया गया ताकि अधिक से अधिक अस्थायी सदस्यों को लाया जा सके। उन्होंने आगे कहा, 'हम जानते हैं कि बदलाव आएगा। हम जानते हैं कि सुरक्षा परिषद में बदलाव होगा। असली मुद्दा यह है कि यह कब आता है, इसमें कितना समय लगेगा और यह किस रूप में होगा।'

विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आप देखें कि यह क्या रूप लेगा तो भी इसके कुछ हिस्से काफी स्पष्ट हैं। यहां कोई एक भी अफ्रीकी सदस्य नहीं है। एक भी लैटिन अमेरिकी सदस्य नहीं है। अफ्रीका के पास 50 से अधिक देशों का एक महाद्वीप है, लेकिन कोई भी सदस्य नहीं है। एशिया के मामले में हां यहां एक सदस्य है। लेकिन अगर आप आज एशिया की गतिशीलता, एशिया की जनसांख्यिकी और राष्ट्रों के आकार को देखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह एक बहुत मजबूत मामला भी है। उन्होंने कहा कि ये चचाएं चल रही हैं। हालांकि, कई मायनों में चचाएं आगे नहीं बढ़ी हैं क्योंकि जो लोग बदलाव का विरोध कर रहे हैं, उन्होंने इसमें देरी करने के तरीके ढूंढ लिए हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन अब हम ऐसे चरण में पहुंच गए हैं, जहां विभिन्न देश और समूह प्रस्तुति दे रहे हैं। यहां एक प्रक्रिया है, जिसे अंतर सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया कहा जाता है। इस प्रक्रिया की अध्यक्षता वर्तमान में कुवैत और ऑस्ट्रिया द्वारा की जाती है और उन्हें आज विभिन्न मॉडलों के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है कि ऐसा बदलाव कैसे हो सकता है।

कनाडा में छात्र ने परिवार के लोगों पर चाकू से किया हमला

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा में चाकूबाजी की घटना में छह लोग मारे गए। ओटावा पुलिस ने श्रीलंका के 19 वर्षीय छात्र को अपने साथ रहने वाले छह लोगों की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मृतकों में श्रीलंकाई परिवार के चार बच्चे भी शामिल हैं। ओटावा के पुलिस प्रमुख एरिक स्टब्स ने कहा कि आरोपी ने धारदार हथियार से लोगों पर हमला किया, जिसकी पहचान फेब्रियो डी-जोयसा के रूप में की गई थी।

उस पर फर्स्ट-डिग्री हत्या के छह मामले और हत्या के प्रयास का एक आरोप लगाया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मृतक श्रीलंकाई नागरिक हैं जो हाल ही में कनाडा आए थे। इनमें 35 साल की मां, सात साल का बेटा, चार साल की बेटी, दो साल की बेटी और ढाई महीने की बच्ची भी शामिल है। साथ ही 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हुई है, जो परिवार का परिचित था।

'पिता की पार्टी में भी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी'

इस्लामाबाद। मरयम नवाज ने हाल ही में पाकिस्तान के पंजाब की सीएम बनकर इतिहास रच दिया। महिला दिवस के मौके पर उन्होंने बताया कि अपने पिता की ही पार्टी में भी जगह बनाने के लिए उन्हें दशक भर तक कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वह सफल हुई है तो कोई भी महिला सफल हो सकती है। मरयम नवाज पाकिस्तान में किसी भी राज्य की सीएम बनने वाली पहली महिला हैं।

नवाज शरीफ की उत्तराधिकारी मानी जाती हैं मरयम नवाज

पाकिस्तानी मीडिया से बात करते हुए मरयम नवाज ने कहा कि 'उनके पिता की पार्टी पीएमएल-एन हमेशा से एक पुरुषों के प्रभाव वाली पार्टी रही है। मैंने भी पार्टी में अपनी जगह बनाने के लिए 12-13 साल कड़ी मेहनत की है, लेकिन अगर मैं यहां तक पहुंची हूं तो इसमें हर महिला, मां और बेटी के लिए संदेश है कि अगर आप कुछ करना चाहती हैं तो महिला होना आपके रास्ते की रुकावट नहीं बन सकता।' मरयम नवाज को नवाज शरीफ का उत्तराधिकारी माना जाता है। बीती 26 फरवरी को ही मरयम नवाज ने पंजाब की सीएम पद की शपथ ली है। मरयम नवाज (50 वर्षीय) पहले राजनीति में सक्रिय नहीं थी और साल 2011 में राजनीति में सक्रिय हुईं। अब मरयम नवाज को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। साल 2017 में मरयम नवाज ने पाकिस्तानी आर्मी के खिलाफ अभियान चलाया था, जिससे मरयम नवाज पाकिस्तान में लोकप्रिय हुईं। ऐसा माना जाता है कि पाकिस्तान आर्मी के साथ हुई डील के तहत मरयम नवाज को पंजाब सीएम का पद मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तानी आर्मी ने नवाज शरीफ को विकल्प दिया था कि अगर उनके भाई शहबाज शरीफ पीएम बनते हैं तो पंजाब के सीएम पद पर मरयम नवाज की ताजपोशी हो सकती है। पंजाब पाकिस्तान का सबसे अहम और सबसे ज्यादा आबादी वाला सूबा है। पंजाब, नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन का गढ़ रहा है। शरीफ परिवार से नवाज शरीफ और शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और अब एक बार फिर शहबाज शरीफ पाकिस्तान के नए पीएम चुने गए हैं।

सऊदी अरब के पहले मेल रोबोट ने सरेआम कर दी ये हरकत

सउदी अरब। आज दुनिया तेजी से विकास कर रही है। नए-नए उपयोग किए जा रहे हैं। इंसानों के जैसे दिखने वाले रोबोट बनाए जा रहे हैं। लेकिन रोबोट को लेकर अब पूरी दुनिया में सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या इसे तैयार करना इंसानों के लिए वाकई में सही है या नहीं। दरअसल, हाल ही में सऊदी अरब ने अपना पहला मेल एंड्रायड रोबोट लॉन्च किया। इस रोबोट का नाम मुहम्मद रखा गया है। लॉन्च होते ही इस रोबोट ने कुछ ऐसी हरकत कर दी, जिसका सोशल मीडिया पर जमकर वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में रोबोट एक महिला रिपोर्टर को गलत तरीके से छूता दिख रहा है। चार मार्च की घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही घटना चार मार्च की बताई जा रही है। लॉन्च के बाद एक महिला रिपोर्टर जब इस रोबोट के पास खड़ी होकर रिपोर्टिंग कर रही थी, तो रोबोट उन्हें गलत तरीके से छूता दिखाई दिया। अचानक रोबोट के छूने से महिला रिपोर्टर डर गई। हालांकि, इसके बाद भी उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग जारी रखी, लेकिन कुछ लोगों के कैमरे में रोबोट की यह हरकत रिकॉर्ड हो गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रोबोट ने कैसे और क्यों रिपोर्टर को छूने की कोशिश की। कहीं इसमें कोई गलती तो नहीं है या रोबोट को हैंडल करने वाले ने कोई शरारत तो नहीं की है। सोशल मीडिया पर इस पर तमाम लोगों के कमेंट्स आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर आए कमेंट्स एक ने लिखा कि इस रोबोट को किस मकसद से बनाया गया है? एक ने लिखा कि वाकई जांच होनी चाहिए कि आखिर रोबोट ने ऐसा क्यों किया? कैसे वह किसी को गलत तरीके से छू सकता है।

'लोकतंत्र खतरे में है', ट्रंप पर बाइडन का तीखा हमला, बोले- पुतिन के आगे झुके रिपब्लिकन

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को देश के नाम संबोधन (स्टेट ऑफ द यूनियन स्पीच) में डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला और चेतावनी दी कि अमेरिका में लोकतंत्र खतरे में है। अपने संबोधन की शुरूआत में ही बाइडन ने कहा कि 'मैं कांग्रेस और अमेरिका के लोगों को खतरे को लेकर अलर्ट करना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रपति लिंकन और सिविल वॉर से अब तक देश और दुनिया में लोकतंत्र और आजादी कभी इतने खतरे में नहीं थी, जितनी आज है। लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं। बाइडन ने ट्रंप पर लगाए पुतिन के आगे झुकने के आरोप

जो बाइडन ने ट्रंप पर पुतिन के आगे झुकने के आरोप लगाए और जोश में कहा कि 'मैं नहीं झुकुंगा'। हालांकि बाइडन ने ट्रंप का नाम नहीं लिया लेकिन पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति कहकर बाइडन ने साफ कर दिया कि वह ट्रंप की ही बात कर रहे हैं। गुरुवार का बाइडन का संबोधन उनके सबसे अहम राजनीतिक भाषणों में से एक रहा और इसके साथ ही बाइडन ने उन आशंकाओं पर भी विराम लगा दिया, जिनमें बाइडन की बढ़ती उम्र और उनकी मानसिक क्षमता को लेकर सवाल उठ रहे थे। अमेरिका में हो रहे प्राइमरी चुनाव के नतीजों से साफ है कि नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन का मुकाबला ट्रंप से होना तय है। अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर किया बड़ा दावा अमेरिकी चुनाव में गर्भपात का अधिकार भी एक बड़ा मुद्दा है, जिसका रिपब्लिकन विरोध कर रहे हैं। इस पर बाइडन ने कहा कि रिपब्लिकन को अमेरिका में महिलाओं की ताकत का अंदाजा नहीं है। डेमोक्रेट पार्टी का फोकस महिला मतदाताओं पर ज्यादा है। बाइडन ने अर्थव्यवस्था पर अपनी सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था संकट में थी, लेकिन अब हमारी अर्थव्यवस्था बहुत बेहतर स्थिति में है। तीन वर्षों में 15 मिलियन नौकरियां दी गई हैं, यह एक रिकॉर्ड है और देश में बेरोजगारी 50 वर्षों में सबसे कम है। बाइडन ने अपने भाषण में गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने का एलान किया।

भारत ने सुरक्षा परिषद में इन बदलावों की सिफारिश की, बताया किन देशों को और कैसे मिलना चाहिए प्रतिनिधित्व

वॉशिंगटन। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए विस्तृत योजना पेश की है। भारत ने जी4 देशों की तरफ से यह योजना संयुक्त राष्ट्र में रखी, जिसमें कई ऐसे सुधारों की सिफारिश की गई है, जिन्हें लागू करने पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ज्यादा लोकतांत्रिक और समावेशी बन सकेगी। भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज 'इंटरगवर्नमेंटल नेगोसिसएशन ऑन सिक्योरिटी काउंसिल रिफॉर्म' कार्यक्रम में शामिल हुईं।

भारत ने दिए ये सुझाव

इस कार्यक्रम में रुचिरा कंबोज ने जी4 देशों ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की तरफ से प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में सुरक्षा परिषद के सदस्यों की संख्या मौजूदा 15 से बढ़ाकर 25-26 करने की सिफारिश की गई है। साथ ही इसमें छह स्थायी सदस्यों और चार या पांच अस्थायी सदस्यों को शामिल करने की सलाह दी गई है। भारत ने सुझाव दिया है कि छह नए स्थायी सदस्यों में से दो अफ्रीकी राज्यों और एशिया प्रशांत के देशों, एक लैटिन अमेरिकी देशों और कैरेबियाई देशों और एक पश्चिमी यूरोपीय देशों और अन्य देशों की तरफ से प्रस्तावित किया जाना चाहिए।

भारत द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में वीटो को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि नए स्थायी सदस्यों के पास भी मौजूदा सदस्यों की तरह जिम्मेदारी और अधिकार होंगे, लेकिन वे किसी मुद्दे पर पूरी समीक्षा के बाद ही वीटो का फैसला कर पाएंगे।

अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सिर्फ पांच देशों चीन, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका के पास ही वीटो पावर है। वहीं दो अन्य सदस्य अस्थायी होते हैं, जिनका दो साल के लिए चुनाव होता है और उनके पास वीटो पावर नहीं होती। फ्रांस और अमेरिका ने भी भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल करने का समर्थन किया है।

मौजूदा व्यवस्था में सुधार की जरूरत

रुचिरा कंबोज ने कहा कि सुरक्षा परिषद की मौजूदा व्यवस्था में स्थायी और अस्थायी दोनों वर्गों में प्रतिनिधित्व की कमी है। इससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद उतनी प्रभावी नहीं है और वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए इसमें तुरंत सुधार की जरूरत है। कंबोज ने कहा कि कोई भी सुधार प्रतिनिधित्व की कमी को नजरअंदाज करके संभव नहीं है और खासकर स्थायी कैटेगरी में भारी असंतुलन है और इसी वजह से सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने में अक्षम साबित हो रही है। कंबोज ने कहा कि सुधार के लिए जो सिफारिशें की गई हैं, उनमें किसी देश विशेष को सदस्य बनाने को नहीं किया गया है बल्कि इन्हें लोकतांत्रिक और समावेशी तरीके से चुनाव से तय किया जाएगा।

'सुना है कि चीन आगे जा रहा, लेकिन मामला उल्टा है', भारत जैसे सहयोगियों के साथ साझेदारी मजबूत होने पर बाइडन

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे अपने सहयोगियों के साथ अमेरिका अपनी साझेदारी को और मजबूत कर रहा है। इसके साथ ही उनका देश अनुचित आर्थिक व्यवहार, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति व सुरक्षा के लिए चीन के खिलाफ खड़ा है । इस साल अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। इससे पहले अपने आखिरी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में बाइडन ने कहा कि अमेरिका, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा चाहता है न कि टकराव। अपनी साझेदारी को मजबूत बना रहे बाइडन ने गुरुवार को अमेरिकियों को बताया कि देश बीजिंग के खिलाफ 21वीं सदी में प्रतिस्पर्धा जीतने के लिए मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा, हम चीन के अनुचित आर्थिक कदमों और ताइवान जलडमरूमध्य में शांति व सुरक्षा के लिए उसके खिलाफ खड़े हैं और साथ ही सहयोगियों और प्रशांत क्षेत्र के देशों

भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान तथा दक्षिण कोरिया के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत बना रहे हैं। कई अन्य लोगों से सुना है। बाइडन ने कहा, वर्षों से, मैंने अपने रिपब्लिकन मित्रों और कई अन्य लोगों से सुना है कि चीन आगे बढ़ रहा है और अमेरिका पीछे जा रहा है लेकिन यह उल्टा है। अमेरिका आगे बढ़ रह है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे अच्छी है। हमारा व्यापार घाटा सबसे निचले स्तर पर बाइडन ने कहा, ह्यमेरे सत्ता में आने के बाद से हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ा है। पिछले एक दशक में चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा सबसे निचले स्तर पर है। मैंने यह सुनिश्चित किया है कि सबसे उन्नत अमेरिकी प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल चीन के हथियारों में न किया जा सके। सच कहूं तो, चीन पर सख्त बातचीत के बावजूद मेरे पूर्ववर्ती के मन में ऐसा विचार कभी नहीं आया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ह्यहम चीन या किसी भी अन्य देश के खिलाफ 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा को जीतने के लिए मजबूत स्थिति में हैं। अमेरिका में लोकतंत्र खतरे में राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को देश के नाम संबोधन (स्टेट ऑफ द यूनियन स्पीच) में डोनाल्ड ट्रंप पर भी तीखा हमला बोला और चेतावनी दी कि अमेरिका में लोकतंत्र खतरे में है। अपने संबोधन की शुरूआत में ही बाइडन ने कहा कि 'मैं कांग्रेस और अमेरिका के लोगों को खतरे को लेकर अलर्ट करना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रपति लिंकन और सिविल वॉर से अब तक देश और दुनिया में लोकतंत्र और आजादी कभी इतने खतरे में नहीं थी, जितनी आज है। लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं।

सौ फीसदी हम 15 वर्षों तक सत्ता में रहेंगे

टोक्यो। भारतीय विदेश मंत्री जापान दौरे पर हैं। जापान में एक कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री से लोकसभा चुनाव को लेकर सवाल किए गए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दावा किया कि उन्हें 100 फीसदी विश्वास है कि उनकी सरकार 15 वर्षों या उससे भी ज्यादा समय तक सत्ता में रहेगी। साथ ही जयशंकर ने अपने लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल का भी जवाब दिया। 'हम 15 वर्षों तक सत्ता में रहेंगे' कार्यक्रम के दौरान एस जयशंकर ने कहा कि '100 फीसदी हम 15 वर्षों तक देश को स्थायी सरकार देंगे और हो सकता है कि यह और भी आगे तक चले। जयशंकर ने कहा कि एक दूरदर्शी और फैसले लेने वाली सरकार के पास बहुमत होना बहुत जरूरी होता है। सौभाग्य से भारत में जो अभी सरकार है, उसके पास देश को विकास की राह पर ले जाने वाला विजन और संसद में बहुमत दोनों है। इसका असर देश में आने वाले विदेशी निवेश और व्यापार जगत पर भी पड़ता है।' जयशंकर ने विश्वास जताया कि 15 और उससे भी ज्यादा समय तक उनकी सरकार सत्ता में रहने वाली है। लोकसभा चुनाव लड़ने पर क्या बोले जयशंकर? कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री से सवाल किया गया कि क्या वह आगामी आम चुनाव में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे? इस पर जयशंकर ने कहा कि 'इसका फैसला पार्टी करेगी क्योंकि ऐसे राजनीतिक फैसले पार्टी नेतृत्व ही करेगा। मैं अभी पिछले साल उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुआ हूं और मेरी संसद सदस्यता सुरक्षित है, लेकिन मेरे चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी ही करेगी और मैं इसका जवाब नहीं दे सकता।' क्वाड को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि क्वाड में हम ऊर्जा और तकनीक के मुद्दे पर चर्चा करते हैं, लेकिन अभी परमाणु ऊर्जा को लेकर विस्तृत चर्चा नहीं हुई है। जैसे जैसे क्वाड की बैठकों का आयोजन हो रहा है, उसमें नए-नए मुद्दे जुड़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की फिर उठाई मांग एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिर से सुधार की मांग उठाई। जयशंकर ने कहा कि 'हम में से अधिकतर ये बात समझते हैं कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत है। जब संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ, उस वक्त करीब 50 देश इसके सदस्य थे। आज ये आंकड़ा 200 पहुंच गया है। अगर किसी संगठन में सदस्यता चार गुना तक बढ़ गई है तो संगठन का नेतृत्व और उसके फैसले लेने की प्रक्रिया में भी पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकती। आज हम यही परेशानी देख रहे हैं, लेकिन हम देख रहे हैं कि बदलाव की जो चर्चा चल रही है, उस पर कोई प्रगति नहीं हो रही है और बदलाव को रोकने के लिए इसमें देरी की जा रही है।' क्या चीन भी वैश्विक दक्षिण का हिस्सा है? इस सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि जो ग्लोबल साउथ समिट आयोजित किए गए, उनमें चीन शामिल नहीं था। रूस यूक्रेन युद्ध रूस यूक्रेन युद्ध पर भारत के स्टैंड पर विदेश मंत्री ने कहा कि 'दुनिया एक मुश्किल जगह है और दुनिया में कई सिद्धांत और विश्वास हैं। वैश्विक राजनीति में देश कोई एक मुद्दा, एक परिस्थिति और एक सिद्धांत की बात करते हैं और वो इस पर बात इसलिए करते हैं क्योंकि उसमें उनका फायदा होता है। लेकिन हम इसे ज्यादा बेहतर तरीके से समझते हैं क्योंकि देश को आजादी मिलने के तुरंत बाद ही हमारे खिलाफ आक्रमण हुआ और हमारी सीमाओं को बदलने की कोशिश हुई, लेकिन तब दुनिया ने कोई आवाज नहीं उठाई।

शुक्रवार से घंटाघर रामलीला मैदान में सुश्री जया किशोरी की श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। श्री श्याम परिवार समिति द्वारा रामलीला मैदान घंटाघर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार से शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध कथावाचक सुश्री जया किशोरी ने श्रद्धालुओं की तालियों के बीच व्यास पीठ पर अपना स्थान ग्रहण कर भागवत कथा की शुरूआत की। कथावाचक सुश्री जया किशोरी ने श्री मद भागवत माहात्म्य कथा, भगवान के अवतारों की कथा और राजा परीक्षित को श्राप की कथा सुनाकर श्रृद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने कहा रिश्ते ऊपर से बन कर आते हैं पर मित्र हम बनाते हैं इसलिए मित्र हमेशा अच्छे बनायें। कथा से पूर्व भजन गायिका अनामिका शर्मा के भजनों से पंडाल गुंजायमान रहा। इस अवसर पर जया किशोरी के साथ श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य यजमान अनिल अग्रवाल साँवरिया, अनिल गर्ग, रामअवतार जिन्दल, गौरव गर्ग, आन्नद प्रकाश लोहे वाले, आर. एन.बंसल, ज्ञान प्रकाश गोयल, दीपक अग्रवाल, सुनील त्रिवेणी, आर.पी.चढ्ढा, सुरेश महाजन के साथ पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में आशु बिन्दल, गौरव गर्ग, सौरभ गुप्ता, मुकेश बाबा, आलोक गर्ग, सौरभ किराना मंडी , योगेश गोयल, सुनील त्रिवेणी, वी. के गुप्ता, तनु गम्भीर, संजय गुप्ता फ्रूट वाले, सुनील वार्ष्णेय, अशोक अग्रवाल, विभू बंसल अध्यक्ष नगर पालिका पिलुखआ, अरुण सिंघल, सौरभ जयसवाल, भानु सिसोदिया, मंयक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल व संजय अग्रवाल ने सपत्नी कथा में योगदान किया।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का किया स्वागत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा की मौजूदगी में राष्ट्रीय व्यापार मंडल के पदाधिकारी बाल किशन गुप्ता, बालू भाई, जिलाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय, अनिल मेहरा आदि ने उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का पटका पहना कर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

महेश कुमार आहूजा ने किया कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का स्वागत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन महेश कुमार आहूजा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एस पी त्यागी ने प्रदेश के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का स्वागत कर शुभकामनाएं दीं। महेश आहूजा ने कहा कि सुनील शर्मा के कैबिनेट मंत्री बनने से जनपद का चहुंमुखी विकास होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

हिमांशु लव ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेता हिमांशु लव ने प्रदेश के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

क्यों कहा कहने वाले ने कि शर्मा जी के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद देखा हमने उनका स्वागत हो रहा था जोरदार ? मगर यहाँ पर नदिया पार के चौधरी पार्षद के अंदर कुछ और ही लेवल का जुनून हो रहा था सवार ? अपने क्षेत्र में स्वागत करने के बाद भी नहीं थमे उनके अरमान ? हमने देखा अपने स्वागत वाले बचे अरमानों को उन्होंने हर दूसरे स्वागत स्थल पर जाकर किया पूरा ? कहने वाले ने कहा समझ नहीं आ रहा आखिर क्या करके मानेगा ये छोरा ? हर जगह थी इसी बात की जिरह, क्यों दिखा रहा था चौधरी इतना विनय ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नादिया पार के मेम्बर भाटी की हैवी वेट वालों के कैबिनेट में जाने के बाद और मजबूत हो गई है लाठी ? हमने देखा यूपी गेट पर वो मंत्री जी के आने से पहले हाथों में गन लेकर चला रहे थे फायर ? उनके इस अन्दाज को देखकर सिक्योरिटी वालों ने कर दिया उनको अलर्ट ? हमने देखा उनकी नकली बंदूक लेजर वाली फायर उगल रही थी साहब ?असली ना सही, नकली वाली गन चलाकर भाटी जी बेहिसाब खुशियाँ मना रहे थे ? जैसे भी हो वो खुद के नरेश होने का एहसास करा रहे थे ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जो दिल जले सोच रहे थे कि जो लोग साहब से रखते है बहुत ज्यादा लगाव ? वो बधाई देने के लिए नंबर वन वालों के पास नहीं जाएँगे साहब ? हमने देखा पूर्व वेस्टर्न वालों और मास्टर जी ने दिलजलों की इस गलतफहमी को अगले ही दिनकर दिया दूर ? हमने देखे उनके मंत्री जी के साथ मुस्कुराते हुए फोटो ? जो बहुत ही सुंदर लग रहे थे हुजूर ? मंत्री जी से उनकी इस मुलाकात का भविष्य में कुछ तो दिखेगा अंजाम ? वक़्त वक़्त की बात है ? राजनीति का नाम ही मनोभाव का परिवर्तित होते रहने का काम ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि साँफ वाले नादिया पार के भगवा कमिश्नर का दिल टटोलोगे तो आपको एक गाना सुनाई देगा श्रीमान ? उनका दिल गा रहा था आज मैं ऊपर असमां नीचे वाला गान ? सुना है मंत्री जी दिखे अपने स्वागत के दौरान शर्मा कमिश्नर के प्रचार से खुश ? मंत्री जी ने इस पर शर्मा जी के चेहरे पर कर दी इस बात की खुलकर तारीफ ? जिसको सुनने के बाद हर गये है उनके सारे दुख ? मार दिया उन्होंने अगले दिन ही बाहर का टूर ? क्या इस तारीफ का भाटी जी को पता है हुजूर ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि बजरंगी भैया के प्रिय राम के पास जब से आया है कैबिनेट अस्त्र ? चर्चा है कि इस अस्त्र से अब निकल जाएगा बजरंगी भैया की सभी समस्याओं का समाधान ? अब हमे उम्मीद है कि बजरंगी का कैंसिल वाला नक़्शा भी हो जाएगा पास ? हट जाएँगे अब उनकी राहों में आये हुए सभी काँटें ? अब खुलकर लेंगे बजरंगी भैया साँस ? अब कोई भी जल्दी से नहीं कर पाएगा उनका खेल खराब ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब हुए कैबिनेट मंत्री स्वागत के लिए थार पर सवार ? तब उनका स्वागत करने को लेकर मिस्टर खेमका बहुत ही आतुर दिख रहे थे यार ? मंत्री जी के गले में माला डालने के लिए उठा लिया उन्होंने बहुत बड़ा रिस्क ? वो चलती गाड़ी पर जान जोखिम में डालकर चढ़ने लगे ? कुछ भी करके आगे बड़ने लगे ? इससे पहले कोई घटना घटित होती यार ? तभी मंत्री जी ने मिस्टर खेमका को रोक दिया यार ? कहा हमे माला से ज्यादा है आपकी चिंता ? आप जल्दी से नीचे उतर जाओ ? आप जैसी मोहब्बत करने वाला बड़ी मुश्किल से है मिलता ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको एक बात कर रहा हूँ खास तौर से मेंशन ? साहिबाबाद की राजनीति में बन गया है ठाकुर और गुर्जर चेहरे का नया कॉम्बिनेशन ? कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा में काफि ले वाले रूट पर हम देख रहे थे एक बात बहुत ही खास ? मिस्टर देड़ा और मिस्टर सोलंकी ने जितने बनवाये थे अपने होर्डिंग ? सभी में दोनों ने अपने फोटो लगाये थे एक साथ ? दे रहे थे दोनों मिलकर नयी ट्यूनिंग का संदेश ? तलाशने वाला तलाश रहे थे होर्डिंग के रास्ते नई दास्तान ? कह रहे सोलंकी जी ने कमांडर से मोड़ कर नंबर वन वालों के यहाँ कर दिया है डेढ़ा जी का रास्ता .?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मंत्री जी का स्वागत वाला कार्यक्रम पार्टी कार्यालय पर पकड़ चुका था परवान ? हमने देखा मंत्री जी थोड़ा रिलैक्स होने के लिए कार्यालय के अंदर गये ? बाहर उनके समर्थकों ने कोई अंदर ना जा पाये ? इस बात को देखते हुए कुण्डी लगा दी श्रीमान ? सुना है मंत्री जी से मिलने जैसे ही एक बड़े जनप्रतिंधि पहुँचे दरवाजे के पास ? उन्हें अंदर जाने के लिए बाहर बहुत ही इंतजार कराया गया साहब ? इंतजार करते करते जनप्रतिंधि हो गये बहुत ज्यादा नाराज ? वो नाराजगी लेकर वापस जाने लगे बाहर ? तभी कुछ वरिष्ठों ने मौके पर आकर सँभाली बात ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम देख रहे है आजकल कश्यप जी के चेहरे की मुस्कुराहट ? उसमें आजकल कुछ और ही दिखाई दे रही हमको आहट ? वो गाज़ियाबाद के हर छोटे बड़े कार्यक्रम में पूरी शिद्दत से शामिल हो रहे है श्रीमान ? भोले बाबा को भी उन्होंने समय से पहुँचकर जल चढ़ाने का किया था काम ? हमे तो उनके चेहरे के भाव पढ़कर कुछ और ही मिल रहे है संकेत ? कही आने वाले दिनों में सबसे बड़ा सरप्राइज तो नहीं देने वाला है ये मुस्कुराता हुआ फेस ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने देखा हमारे विधायक जी के जैसे पहले थे वैसे ही अब है क्रांतिकारी अन्दाज ? वो उपलब्धियों का श्रेय अकेले किसी को लेने ही नहीं देते है ? भले ही वो आदमी हो कितना ही खास ? जनरली जहां बड़े चेहरे से जुड़े खास चेहरे बड़ी वाली रोड़ का फण्ड लेन के लिए दे रहे थे साहब को श्रेय ? वही विधायक जी ने यहाँ पर नहीं दी किसी को भी श्रेय लेने वाली मुस्कान ? उन्होंने सीधे एक लेटर फेस बुक पर अपलोड किया ? जनता को दिया स्पष्ट संदेश कि उन्हीं के प्रयासों से हुआ है ये काम ?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

गुलमोहर एन्क्लेव में श्री शिव बालाजी धाम मंदिर में दूध और जल से किया शिव का रूद्राभिषेक

भक्तों ने किया हनुमान जी का भव्य श्रंगार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गुलमोहर एन्क्लेव स्थित श्री शिव बालाजी धाम मन्दिर में फाल्गुन मास की शिवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महादेव का दूध, जल, शहद व इत्र से अभिषेक किया। इसी के साथ मन्दिर में विराजमान बजरंगबली का भव्य श्रंगार भी किया गया। इस पावन पर्व पर शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से सांय साढ़े 5 बजे तक सोसायटी की महिलाओं ने संकीर्तन का आयोजन भी किया जिसमें शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और बजरंग बली के भजन गाये गए।

मन्दिर के पुजारी पं राजीव मिश्रा ने फाल्गुन मास की शिवरात्रि का महत्व बताते हुए कहा कि इस पवित्र मास में भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाकर उनका अभिषेक किया जाता है। शिव को समर्पित शिवरात्रि व्रत का बहुत महत्व है मान्यता है कि इस दिन व्रत और विधिवत पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। महाशिवरात्रि पर भक्तों को भगवान शिव का जलाभिषेक करना चाहिए । इस अवसर श्री शिव बालाजी धाम मंदिर न्यास ट्रस्ट के संरक्षक मनवीर चौधरी ने कहा कि भगवान पर मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा ठंडाई एवं खीर का प्रसाद भी वितरित किया गया।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ज्योतिषाचार्य डॉ लक्ष्मीकांत त्रिपाठी की लाइफ में मार्च का महीना और ये तारीख कुछ खास है। सप्तपदी के साथ दोनो ने एक दूसरे को जीवन साथी के रूप में स्वीकार किया। ये दिन इसलिए भी खास हो गया क्योंकि भोले शंकर और मां पार्वती जी का आशीर्वाद भी मिला। जीवनसाथी को धन्यवाद देते हुए डॉ लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने इस खुशी को फेसबुक पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।